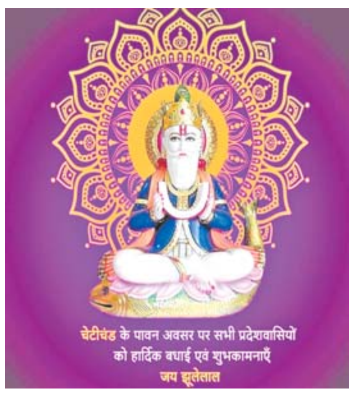
चेटीचंड के पावन अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
जय झूलेलाल

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 218/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 23 मार्च 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

मेरा रंग दे बसंती चोला...
सैकड़ों परिंदे आसमाँ पर आज नजर आने लगे
शहीदों ने दिखाई है राह उन्हें आज़ादी से उड़ने की
शहीद दिवस 23 मार्च
शहीदों को शत शत नमन
सादर नमन
शहीद सुखदेव जी, भगत सिंह जी, राजगुरु जी

सांध्यप्रकाश विशेष

2000 बैच की आईएएस बनी इन्वेस्ट इंडिया की नई एमडी

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा की वेस्ट बंगाल कैडर की 2000 बैच की आईएएस अधिकारी मनमीत के नंदा इन्वेस्ट इंडिया की मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर नियुक्त की गई है।

बता दें कि इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के लिए यह संस्था केंद्र सरकार के डिपार्टमेंट का प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड के अंतर्गत काम करती है। नंदा इस विभाग में ज्वाइंट सेक्रेट्री हैं और वह दीपक बागला के बाद इस पद पर नियुक्त की गई है जिन्होंने हाल ही में इस पद से इस्तीफा दे दिया था। इन्वेस्ट इंडिया के बोर्ड ने नंदा के एमडी और सीईओ के नाम को वर्तमान दायित्व के साथ एडिशनल चार्ज के रूप में काम करने के लिए अनुमोदित किया है। इस बोर्ड की अध्यक्षता विभाग के सेक्रेटरी अनुराग जैन ने की जो मध्य प्रदेश कैडर के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। इस बोर्ड में केबिनेट सेक्रेटेरिएट में सेक्रेटरी कोआर्डिनेशन पीके त्रिपाठी जो 1987 बैच के आईएएस अधिकारी हैं, सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं।

पत्रकार सुरक्षा अधिनियम के लिए छग सरकार की तारीफ हो: शर्मा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव पंकज शर्मा ने कहा है कि देर से ही सही, पत्रकार सुरक्षा अधिनियम लाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की तारीफ़ होनी चाहिए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बिना देर किए विधानसभा के अगले सत्र में इसे पारित करा लेना चाहिए। समुचित सज़ा के प्रावधानों पर ठीक से ध्यान देने की ज़रूरत है।

हिंदी के वरिष्ठ पत्रकार अभय छजलानी का निधन!

हिंदी के वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री अभय छजलानी का गुरुवार सुबह 88 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। आज शाम 5 बजे उनका अंतिम संस्कार रीजनल पार्क मुक्तिधाम पर होगा। वे कई साल तक 'नईदुनिया' के संचालक और प्रधान संपादक रहे। छजलानी परिवार को आज ही दूसरा आघात लगा, जब उनके बड़े भाई स्व विमल छजलानी की पत्नी का भी सुबह भोपाल में निधन हो गया। अभय छजलानी का जन्म 4 अगस्त 1934 को हुआ और वे 1955 में पत्रकारिता से जुड़े थे। उन्होंने पत्रकारिता के विश्व के प्रमुख संस्थान थॉमसन फाउंडेशन, कार्डिफ से स्नातक की डिग्री हासिल की थी। हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र से इस प्रशिक्षण के लिए चुने जाने वाले वे पहले पत्रकार रहे। उन्होंने हिंदी पत्रकारिता को कई श्रेष्ठ पत्रकार दिए।

नईदुनिया के जरिए उन्होंने शहर की कई समस्याओं और मुद्दों को उठाया था। इसके अलावा वे खेलों से भी जुड़े रहे और टेबल टेनिस के कई खिलाड़ियों को तैयार किया। वे कई सालों तक मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन के अध्यक्ष रहे और फिर आजीवन अध्यक्ष पद पर भी रहे। वे भारतीय भाषाई समाचार पत्रों के शीर्ष संगठन 'इलना' के तीन बार 1988, 1989 और 1994 में अध्यक्ष रहे। वह इंडियन न्यूजपेपर सोसायटी (आईएनएस) के 2000 में उपाध्यक्ष और 2002 में अध्यक्ष रहे। उनकी पत्नी पुष्पा छजलानी का पिछले साल ही निधन हुआ था। परिवार में पुत्र विनय और पुत्रियां शीला व आभा हैं।

मुख्यमंत्री चौहान एवं कमलनाथ ने दी श्रद्धांजलि

उन्हें प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्री छजलानी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा है कि उनका अवसान पत्रकारिता जगत की अपूरणीय क्षति है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पत्रकारिता क्षेत्र में उनके योगदान को सराहना की है। देश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओपी रावत ने अभय जी को विनम्र श्रद्धांजलि दी है।

वैदिक जी की श्रद्धांजलि सभा आज

भोपाल। माखनलाल राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में प्रख्यात पत्रकार स्व. वेद प्रताप वैदिक को आज शाम 5 बजे श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। श्रद्धांजलि सभा प्रेस काम्पलेक्स स्थित विवि के सभागार में रखी गई है।

शहीदों को नमन मुख्यमंत्री शिवराज सिंहचौहान ने आज शहीद दिवस पर शहीद स्मारक पहुंच कर अमर शहीदों को नमन किया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज शहीदों की याद में पौधारोपण किया।

शिवराज ने लांच की युवा नीति

मप्र सरकार से सीधे जुड़ेंगे युवा, राज्य स्तरीय सलाहकार समिति बनेगी

23 मार्च, 2023
मोतीलाल नेहरू स्टेडियम
भोपाल
महापंचायत
युवा नीति लॉ
यूथ महापंचायत
युवा नीति लॉं

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज यूथ महापंचायत में युवा नीति को लॉन्च किया। भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में हो रही महापंचायत में मुख्यमंत्री ने यूथ पोर्टल की भी शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि सरकार के साथ युवाओं को जोड़ने के लिए युवाओं की स्टेट लेवल एडवाइजरी कमेटी बनाई जाएगी।

सरकार हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को उनके इंटरेस्ट के हिसाब से हायर एजुकेशन के सब्जेक्ट सिलेक्शन से लेकर करियर प्लानिंग के लिए गाइडेंस दिलाएगी। पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी और रोजगार के लिए सरकारी योजनाओं से लोन और सब्सिडी दिलाने के लिए इंटिग्रेटेड सिस्टम बनाएगी। इस इंटिग्रेटेड सिस्टम में पढ़ाई से लेकर स्किल डेवलपमेंट, वोकेशनल ट्रेनिंग और रोजगार के लिए बिना बाधा मदद मिलेगी। बता दें, प्रदेश में युवाओं की करीब 17 प्रतिशत आबादी है।

आज स्वागत नहीं

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में पहुंचकर कहा- आज स्वागत नहीं करें। आज शहीद दिवस भी है, इसीलिए मंच पर बैठे किसी भी अतिथि का स्वागत नहीं होगा। आज सारे फूल और मालाएं शहीदों के चरणों में समर्पित किए जाएंगे।

15 जिलों के युवा शामिल

यूथ महापंचायत में ओलंपियन विवेक सागर सहित प्रदेश के 15 जिलों भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, उज्जैन, देवास, आगर मालवा, शाजापुर, हरदा, नर्मदापुरम, सागर, गुना और अशोकनगर के युवा हिस्सा ले रहे हैं।।

ऐसे बनी युवा नीति की रणनीति

पिछले साल सीएम हाउस में यूथ महापंचायत हुई थी। तब मुख्यमंत्री के सामने युवाओं ने प्रस्ताव और सुझाव रखे। यहीं से युवा नीति पर चर्चा शुरू हुई। छ्रूने युवाओं के अलग-अलग संगठन और समूह से चर्चा कर युवा नीति के लिए सुझाव मांगे। भाजपा युवा मोर्चा ने मप्र के 57 संगठनात्मक जिलों के 1043 मंडलों के 8978 युवाओं के सुझाव छ्रूको दिए। इन सुझावों में किसान, इंजीनियर, सीए, टीचर, वकील, डॉक्टर, युवा उद्यमी आदि ने सुझाव दिए। युवाओं की मध्यप्रदेश के विकास में क्या भूमिका हो सकती है? इसे लेकर ड्राफ्ट तैयार किया गया है।

युवाओं ने साझा किए अनुभव

बालीवुड फिल्मों में कई सुपरहिट गीत देने वाले मेघदीप बोस ने मंच से अपना अनुभव साझा किया। ओलंपियन विवेक सागर प्रसाद ने भी अपना अनुभव बताया। विवेक ने कहा कि मेरा घर और नौकरी दोनों का सपना मुख्यमंत्री जी ने पूरा किया है । खेल इतना आसान नहीं, जितना लगता है। खेल में बहुत स्कोप है, मुख्यमंत्री ने खेल को बढ़ावा दिया है। 22 साल की उम्र में उद्यम शुरू करने वाले अनुभव दुबे ने कहा, अब हम गोरों (विदेशी आउटलेट) की फ्रेंचाइजी नहीं लेंगे अब खुद की फ्रेंचाइजी शुरू करेंगे। अनुभव ने कहा कि मुख्यमंत्री की सोच को सलाम।

संसद स्थगित, विपक्ष ने गेट पर प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। संसद की कार्यवाही गुरुवार को शुरू होने के कुछ ही देर बाद 2 बजे तक के लिए स्थगित हो गई। इससे पहले मंगलवार को राहुल-अडाणी मामले पर दोनों ही सदनों में हंगामा होने के कारण लगातार 7वीं बार संसद स्थगित की गई थी।

संसद स्थगित होने के बाद विपक्षी नेताओं ने पार्लियामेंट के गेट नंबर 1 पर प्रदर्शन किया। उन्होंने वी वॉन्ट जेपीसी, मोदी सरकार डाउन-डाउन, मोदी सरकार शेम-शेम जैसे नारे लगाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि लोकतंत्र में हमें विरोध जताने का अधिकार है। लोगों तक सच पहुंचाना हमारी ड्यूटी है। यह तानाशाह सरकार न चर्चा में यकीन करती है और न लोकतंत्र में।

सदन में भाजपा राहुल गांधी से लंदन में दिए बयान पर माफी की मांग पर अड़ी हुई है। वहीं, हिंडनबर्ग-अडाणी मामले पर कांग्रेस की जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी की मांग बरकरार है। बता दें कि बजट सत्र का दूसरा फेज 13 मार्च से शुरू हुआ था और यह 6 अप्रैल तक चलना प्रस्तावित है।

मानहानि केस में राहुल गांधी को 2 साल की सजा, उसी कोर्ट से जमानत भी मिली

नई दिल्ली/सूरत। सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है... वाले बयान से जुड़े मानहानि केस में राहुल गांधी को सूरत कोर्ट ने गुरुवार को दोषी करार दिया। इस फैसले के 27 मिनट बाद कोर्ट ने उन्हें 2 साल की सजा और 15 हजार का जुर्माना भी लगाया। इसके कुछ देर बाद उसी कोर्ट ने उन्हें 30 दिन के लिए जमानत भी दे दी गई। सुनवाई के दौरान राहुल कोर्ट में मौजूद रहे।

राहुल ने कोर्ट में अपना पक्ष भी रखा। उनके वकील के मुताबिक, राहुल ने कहा कि बयान देते वक्त मेरी मंशा गलत नहीं थी। मैंने तो भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई थी। कोर्ट के बाहर विधायक और याचिकाकर्ता पूर्णेश मोदी और उनके समर्थकों ने भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारे लगाए। इस मामले में उन पर पिछले 4 साल से मानहानि का मामला चल रहा था। इससे पहले कोर्ट ने 17 मार्च को इस मामले में सभी दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। राहुल को आईपीसी की धारा 400 और 500 के तहत दोषी करार दिया गया है। इसमें 2 साल की सजा का प्रावधान है। राहुल के वकील ने कोर्ट से कहा- इस पूरी घटना में कोई घायल नहीं हुआ। इससे किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। इसलिए हम किसी प्रकार की दया की याचना नहीं करते हैं।

शहीद दिवस पर अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को किया नमन

शहीद हेमू कालाणी के जयंती पर की पुष्पांजलि अर्पित

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने गुरूवार को भारतीय जनता पार्टी, प्रदेश कार्यालय में शहीद दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांसुमन अर्पित किये। उन्होंने शहीद हेमू कालाणी के जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

भाजपा ने 4 राज्यों में पार्टी अध्यक्ष बदले

नई दिल्ली। भाजपा ने गुरुवार को पार्टी के भीतर बड़े बदलाव किए। 4 राज्यों में भाजपा अध्यक्ष को बदला गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजस्थान की कमान सीपी जोशी को सौंपी है। ओडिशा में मनमोहन सामल, दिल्ली में वीरेंद्र सचदेव और बिहार में सम्राट चौधरी को अध्यक्ष बनाया गया है। राजस्थान में इस साल यानी 2023 में विधानसभा चुनाव होना है। दिल्ली और बिहार में 2025 और ओडिशा में 2024 में विधानसभा चुनाव होंगे।

भाजपा ने ढाई महीने से ज्यादा के इंतजार के बाद दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष की घोषणा कर दी है। पार्टी ने कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को स्थायी अध्यक्ष बनाया है। नगर निगम चुनाव में हार के बाद आदेश गुप्ता ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

सीएम ने पत्रकारों के साथ किया पौधारोपण

भोपाल। नवरात्रि के पावन अवसर पर हिंदू नव संवत्सर के प्रारंभ होने पर भोपाल श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष प्रख्यात मीडिया एक्टिविस्ट अर्पित सिंह सिकरवार ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ स्मार्ट सिटी पार्क में पौधारोपण किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सुनील त्रिपाठी, सरल प्रताप सिंह भदोरिया समेत कई पत्रकार बंधु उपस्थित थे। इस अवसर पर सिकरवार ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को आगामी 31 मार्च व 1 अप्रैल को चित्रकूट में होने वाले दो दिवसीय पत्रकार अधिवेशन के लिए आमंत्रण भी दिया।

एप्को के पर्यावरण मिशन कार्यक्रम में दिया जल संरक्षण का संदेश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एप्को के राष्ट्रीय हरित कोर योजना के पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत विश्व जल दिवस पर 22 मार्च को सुबह भोपाल के बड़े तालाब (वेटलैण्ड रामसर साइट) पर भोपाल जिले के 2 ईको क्लब विद्यालय- शा.उ.मा. विद्यालय ओल्ड कैम्पियन अरेरा कॉलोनी तथा शा. माध्यमिक विद्यालय बोर्ड कॉलोनी के लगभग 40 विद्यार्थी एवं शिक्षकों के लिए जल-संरक्षण व्याख्यान और कियोस्क के माध्यम से लाइव क्विज हुआ तथा जलतरंग वेटलैंड इंटरप्रिटेशन सेंटर और बड़े तालाब (वेटलैंड) का भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण शिक्षा अधिकारी श्री दिलीप चक्रवर्ती द्वारा विद्यार्थियों को तालाब के जल, आस-पास जीव, पौधों और वनस्पति आदि से अवगत कराया गया एवं उसके महत्व तथा जल-संरक्षण के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। सभी प्रतिभागियों एवं शिक्षकों को प्रमाण-पत्र और पर्यावरण संबंधी संसाधन एवं सामग्री प्रदाय की गई।

विश्व जल दिवस पर राज्य स्तरीय ऑनलाइन बेवीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार में ईको क्लब विद्यार्थी, शिक्षक, प्राध्यापक तथा जनमानस को विश्व जल दिवस की थीम एक्सीलेरेटिंग थीम पर एस.बी.एन. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ब?वानी में प्राध्यापक मुख्य वक्ता डॉ. वीना सत्य द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया गया, जिसमें उन्होंने व्यक्तिगत, सामुदायिक एवं शासकीय स्तर पर जल-संरक्षण पर किये जाने वाले प्रयासों पर चर्चा की तथा दैनिक जीवन में जल बचाने के नये-नये उपाय सुझाये। प्रदेश स्तर पर एप्को द्वारा संचालित राष्ट्रीय हरित कोर योजना अंतर्गत ईको क्लब विद्यालय एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को जलाशयों का भ्रमण कराया गया, व्याख्यान, प्रतियोगिताएँ और रैली आदि गतिविधियाँ वृहद स्तर पर की गई।

हिंदू नववर्ष और चैत्र नवरात्रि पर दीपों से जगमगाया नरेला

भोपाल। नवसंवत्सर 2080 यानी हिंदू नव वर्ष और चैत्र नवरात्रि का स्वागत नरेला विधानसभा में 51 हजार दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के मुख्य आतिथ्य में नरेला के प्रभात चौराहे पर विशाल समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के लिये प्रमुख चौराहे पर आकर्षक विद्युत सज्जा की गई थी। मंत्री सारंग ने 2080 दीपों से भारत माता एवं प्रभु श्रीराम की महाआरती की। भव्य आतिशबाजी के साथ शानदार नज़ारा भी देखने को मिला। कार्यक्रम में भोपाल महापौर मालती राय सहित अन्य जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे। मंत्री सारंग ने सभी को नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस हिंदू नववर्ष पर सभी मिल कर यह संकल्प लें कि देश के प्रति अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करते हुए भारत को विश्व के मानचित्र पर सर्वोच्च राष्ट्र के रूप में स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म ही धर्म की जय, अधर्म के नाश, प्राणियों में सद्भावना और विश्व के कल्याण की मंगल कामना करता है। विश्वगुरू के रूप में भारत अपने हिंदू दर्शन के माध्यम से विश्व के लिये कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। मंत्री सारंग के मुख्य आतिथ्य में प्रभात चौराहे पर माँ भारती और प्रभु श्रीराम की महाआरती की गई।

कबाड़ से जुगाड़ कर बनाई गई रूद्र वीणा लोकार्पित

भोपाल। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने महापौर मालती राय एवं पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता की उपस्थिति में अटलपथ स्थित स्मार्ट सिटी पार्क में कबाड़ से जुगाड़ कर बनाई गई रूद्र वीणा का लोकार्पण किया तथा वृक्षारोपण भी किया। 28 फिट लंबी एवं 12 फिट चड़ी व 10 फिट ऊंची रूद्र वीणा मोटर गाड़ियों के स्क्रेप से बनाई जाकर अटलपथ स्थित स्मार्ट सिटी पार्क में स्थापित की गई है। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद एवं जोन अध्यक्ष आरती अनेजा, जोन अध्यक्ष बृजुला संचान सहित अन्य पार्षदगण व गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

सामाजिक क्रांति का प्रतीक महिला सशक्तिकरण की योजनाएं

भोपाल । महिला सशक्तिकरण के लिए सामाजिक क्रांति है, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, और अब ला?ली बहना योजना राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई है,स्थानीय निर्वाचन में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, पुलिस भर्ती में आरक्षण, आजीविका मिशन और संबल जैसी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हो रहा है। जिनसे न केवल महिलाओं का समग्र विकास होगा, अपितु समाज में उनका मान-सम्मान और आत्म-विश्वास भी बढ़ेगा। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक कार्यक्रम में कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में बेटियों को अभिशाप के स्थान पर वरदान बनाया गया है। लाड़ली लक्ष्मी योजना में बेटी के जन्म लेते ही उसके नाम पर 30 हजार रूपये जमा करवा दिए जाते हैं, जिससे समय-समय पर उसे पढ़ाई आदि के लिए राशि मिलती रहे। और अब ला?ली बहना योजना राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई है। ग्राम पंचायतों में बड़ी संख्या में बहनें प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

जीवन में आनंद प्राप्त करना है तो सत्संग करना चाहिए : पं. शर्मा

हिन्दू नववर्ष पर भागवत कथा के पहले दिन निकली कलश यात्रा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

वार्ड-73 शिव नगर क्षेत्र के नागरिकों के द्वारा हिंदू नववर्ष, चेत्र नवरात्रि पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन कराया जा रहा है। भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत, समाजसेवी सुनील यादव, युवा नेता गौतम यादव, राहुल सेन, विवेक साहू कलश यात्रा में सम्मलित होकर कथा का श्रवण, पूजन कर आरती की।

पंडित हर्ष शर्मा कथा का श्रवण कराते हुए बताया कि प्रभु की प्राप्ति करना है तो श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण तथा अनुसरण करना चाहिए, जीवन में आनंद की प्राप्ति करना हैं तो भगवान का सत्संग करना चाहिए। बालिस्ता रावत ने उपस्थित सभी को हिंदू नववर्ष, चेत्र नवरात्रि की बधाई, शुभकामनाएं देते हुए सुख समृद्धि की प्रभु से प्रार्थना की । गौतम यादव ने बताया कि 22 मार्च से 28 मार्च तक दोपहर 1 से 5 बजे तक पंडित हर्ष शर्मा के द्वारा कथा का श्रवण कराया जायेगा एवं 29 मार्च को पूर्णाहुति एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा । कार्यक्रम में कथा आयोजक समिति के सदस्यगण मथुरा प्रसाद साहू, गब्बर नामदेव, विवेक गौर, मनोहर साहू, दिलीप विश्वकर्मा, कप्तान सिंह, राजकुमार साहू, गुजरात कोल्ड ड्रिंक, गुड्डा साहू, उदय राम साहू, पुरुषोत्तम साहू, राधे साहू, गुर्जर डेरी, अंकित साहू, इंदर वर्मा, पारस सोनी, जगदीश परिहार, सूरज विश्वकर्मा, रोहन धानक, सोनू साहू, बबली, राजेंद्र, कंचन स्टूडियो, हरि भैया, मनोज योगी तथा अनेकों कार्यकर्ता, क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित थे ।

सर्व मांग्लयम समूह ने मनाया नवसंवत्सर

सर्व मांग्लयम समूह के आह्वान पर इंडससिटी कॉलोनी भोपाल में विक्रम संवत 20 80 हिंदू नव वर्ष एवं चैत्र प्रतिपदा नवरात्र के अवसर पर सनातन परंपरा के अनुसार वेद पाठी ब्राह्मणों द्वारा स्वस्तिवाचन और शंख ध्वनि के साथ ध्वज पूजन एवं पंचांग पूजन किया गया और नई पीढ़ी को संस्कार और संस्कृति की रक्षा के लिए सर्व मांग्लयम समूह के संस्थापक रमाकांत शुक्ला ने नव वर्ष का महत्व समझाया। इस अवसर पर औषधियुक्त नीम की गोलियां वितरित की गई। ऐसी मान्यता है कि इसके सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और निरोगी रहा जा सकता है। कार्यक्रम में इंडस सिटी,इंडस स्टेट, करोद सहित विभिन्न स्थानों से युवा एवं महिला सहित विभिन्न लोग एकत्रित हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में अमित दुबे और युवा मंडल का सक्रिय सहयोग रहा।

सेवानिवृत्त अधिकारी लाइसेंसी को दे रहा नोटिस भेजने की धमकी

नापतौल विभाग का मामला

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश नापतौल विभाग में एक कर्मचारी के फोन से सेवानिवृत्त अधिकारी के लाइसेंसी को नोटिस भेजने की धमकी देने मामला सामने आया है। इसका ऑडियो वायरल हो रहा है। इस मामले में विभाग के अधिकारी जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की बात कह रहे है। वहीं, कर्मचारी संगठन का आरोप है कि नापतौल विभाग के कर्मचारी से सेवानिवृत्त अधिकारी साठंगाठ कर लाइसेंसियों को डरा धमका रहे है। 15 दिन में कार्रवाई नहीं होने पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

विभाग से नापतौल कांटों के सुधारक एवं तौल यंत्रों के विक्रेताओं को मॉडल एप्रूअवल के जारी करना और अभियोजन के निराकरण का कार्य किया जाता है। इसका काम अनुज्ञप्ति एवं अभियोजन शाखा से होता है। इसका प्रभार सहायक ग्रेड 3 विनोद ठाकुर के पास है। अप्रैल 2022 में उप नियंत्रक के पद से सेवानिवृत्त आरके द्विवेदी ने विनोद ठाकुर के फोन से 1 मार्च 2023 को एक लाइसेंस धारी को फोन किया। जिसमें द्विवेदी लाइसेंस धारी को नापतौप मुख्यालय से बात करने और मॉडल एप्रूवल नहीं लेने पर धमकी भरें अंदाज में लेटर जारी करने की बात कह रहे है। इसकी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत की गई है। सवाल यह है कि आरके द्विवेदी ने विनोद ठाकुर का फोन क्यों इस्तेमाल किया? द्विवेदी के पास नापतौल विभाग में जमा दस्तावेज कैसे पहुंचे?

मिलीभगत से हो रहा भ्रष्टाचार: नापतौल विभाग के कर्मचारी और तृतीव वर्ग कर्मचारी संघ के अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी ने कहा कि यहां मिलीभगत से भ्रष्टाचार किया जा रहा है। नापतौल विभाग के नाम पर सेवानिवृत् अधिकारी नोटिस देने की धमकी दे रहा है। इस तरह की गतिविधियों से विभाग की छवि खराब हो रही है। जिससे दूसरे कर्मचारी अपने आप को अपमानित महसूस कर रहे है। यदि इस मामले में 15 दिन में दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती है तो मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

दोषियों के खिलाफ करेंगे कार्रवाई: नापतौल विभाग के नियंत्रक कैलाश बुंदेला ने कहा कि हमारे संज्ञान में मामला आया है। इस मामले की जांच कराएंगे। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किससे बात की मुझे जानकारी नहीं: सहायक ग्रेड 3 कर्मचारी विनोद ठाकुर ने कहा कि मैं आरके द्विवेदी से मिलने गया था। उनके पास कंसल्टेंसी चलाने वाले कुछ लोग आए थे। उनके कागज के आधार पर उन्होंने मेरे फोन से किसी से बात की। मैंने उनको कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराएं।

उत्कृष्ट कार्य के लिए विवेकानंद युवा सम्मान से सम्मानित होंगे शुभम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 23 मार्च को यूथ महापंचायत का आयोजन मोतीलाल नेहरू स्टेडियम भोपाल में किया जा रहा है,जिसमें खेल और युवा कल्याण विभाग, मप्र शासन द्वारा प्रदेश में सामुदायिक एवं युवा गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को विवेकानंद राज्य युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसी कड़ी में राजधानी के समीपस्थ ग्राम तामोट के प्रतिभाशाली युवा शुभम चौहान को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदेश के पहले विवेकानंद युवा राज्य युवा पुरस्कार 2022-23 से सम्मानित किया जाएगा ,सम्मान में उन्हें 50000 की सम्मान निधि , प्रशस्ति पत्र एवं पदक प्रदान किया जाएगा । उन्हें यह सम्मान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया, उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। शुभम विगत 10 वर्षों से युवा गतिविधियों में सक्रिय है,पूर्व में शुभम को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय युवा पुरस्कार सहित नेहरू युवा केंद्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा राज्य स्तरीय पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। शुभम शिक्षा के साथ -2 समुदाय के बीच में जन जागरूकता की गतिविधियों के साथ -साथ साथ साहित्यिक सांस्कृतिक कार्यों में सदैव सक्रिय रहते हैं,शुभम वर्तमान में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में पीएचडी कर रहे हैं।

अन्य उपलब्धियां: निर्वाचन गतिविधियों में उत्कृष्ट सहभागिता के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश शासन द्वारा राज्य स्तरीय पुरस्कार 2019 एवं 2017 प्राप्त। मतदाता जागरूकता में 05 बार जिला स्तर पर पुरस्कृत। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन गतिविधियों के लिए कैंपस एंबेसडर नियुक्त।

भारत सरकार द्वारा आयोजित स्वच्छ भारत समर इंटर्नशिप में राज्य एवं जिला स्तर पर प्रथम , नगर निगम भोपाल द्वारा स्वच्छता गतिविधियों में योगदान के लिए स्वच्छता चैंपियन एवं स्वच्छता मित्र के रुप में सम्मानित।

योग साधकों का होली मिलन समारोह आयोजित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

योग धर्म साधना केंद्र के तत्वाधान एवं राजेश श्रीवास्तव योग प्रशिक्षक के सानिध्य में योग साधकों का सपरिवार होली मिलन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम फाग उत्सव आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में योग साधकों एवं उनके परिवार ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का प्रारंभ राजेश श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया तत्पश्चात योग साधकों ने फाग गीत कविताएं भजन और नृत्य से समां बांधा तत्पश्चात खेलों का आयोजन किया गया जिसमें सब ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में राजेश श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में बताया कि की प्राचीन काल में होली को होलका के नाम से जाना जाता था इस दिन आर्य नवात्रेष्टि यज्ञ करते थे होलिका दहन के पश्चात रंग मनाने की परंपरा भगवान कृष्ण की काल से प्रारंभ हुई तभी से इसका नाम था फगवाह हो गया क्योंकि यह फागुन माह में मनाई जाती है उन्होंने बताया कि सभी को इस दिन यह शपथ लेनी चाहिए कि हम प्रतिदिन स्वस्थ निरोग और उत्साहित रहने के लिए अपनी दिनचर्या में योग साधना को अपनाएंगे इस अवसर पर सभी योग साधकों के परिवार ने प्रतिदिन योग करने का की शपथ ली तत्पश्चात सामूहिक वन भोज का आनद लिया इस अवसर पर अलका शर्मा संगीता पल तानी मंजू लता शर्मा दीपा सक्सेना कीर्ति ठाकुर महेश श्रीवास्तव मनन सक्सेना देव कुशवाह देव त्रिपाठी पिंकी कुशवाहा निधि त्रिपाठी एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति ने जोधाईया बाई बैगा को कला के क्षेत्र में पद्मश्री पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने यहां जोधाईया बाई बैगा को कला के क्षेत्र में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया।

पुरस्कार प्राप्त करने वाले के जीवन और कार्यों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:- जोधाईया बाई बैगा को कला के क्षेत्र में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। श्रीमती बैगा, बैगा जनजाति से हैं और वह बैगा चित्रकारी की प्रसिद्ध कलाकार हैं। 1 जनवरी, 1949 को मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के एक छोटे से गांव लोरहा में जन्मी, श्रीमती बैगा ने अपना अधिकांश जीवन बेहद गरीबी में बिताया और जीवनयापन के लिए, कई वर्ष छोटे-मोटे काम,ईंधन वाली लकड़ी बेचने इत्यादि के लिए कठोर मेहनत की। परंतु, 2008 में उनके जीवन में उस समय एक बड़ा बदलाव आया, जब कला भवन, शांति निकेतन, कोलकाता के पूर्व छात्रआशीष स्वामी उनके गांव लोहरा आए और वहां अपना कला स्टूडियो जनगण तसवीर खाना स्थापित किया। उन्होंने श्रीमती बैगा को वहां हाथ का काम दिया और साथ ही उन्हें ब्रुश और रंगों से चित्र बनाने के लिए प्रेरित किया। बैगा जनजातिअपने देवताओं के रूप में मुख्य रूप से शिव, नाग और बाघ को पूजती है।

श्रीमती बैगा ने चित्र बनाना शुरू कर दिया। उन्होंने शानदार कल्पनाशक्ति का परिचय दिया। वह भगवान शिव को विशेष तरीके से चित्रित करती हैं। उनके लगभग सभी चित्रों में भगवान शिव प्रतीक रूप में हैं। वह जो ज्यामितीय आकृतियां गढ़ती हैं, वे बालसुलभ, रंग-बिरंगी और सुंदर वेशभूषायुक्त हैं। देवता के रूप में बाघ से जुड़ी लोक कथाओं को चित्रित करते हुए, उन्होंने पर्यावरण और वन्यजीवों की रक्षा का महत्व दर्शाया है।

30 मार्च तक होंगे लाड़ली बहना योजना के सम्मेलन

भोपाल। राज्य शासन द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए महिलाओं के सशक्तिकरण के उददेश्य से परिणाममूलक कार्य किये जा रहे हैं। इसी के तहत 22 से 30 मार्च तक एक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर तिथि निर्धारित कर अभियान प्रत्येक ग्राम पंचायतों एवं शहरी वार्डों में प्रमुख गतिविधियों, कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिन स्थलों पर लाड़ली बहना योजना के आवेदन भरवाने के लिए कैंप का आयोजन किया जा रहा हो, उन स्थानों पर दोनों आयोजन एक ही समुचित स्थल पर आयोजित किया जाए। इन सम्मेलनों के प्रबंधन के लिए यथास्थिति ग्राम सचिव, रोजगार सहायक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता,आंगनवाड़ी सहायिका आदि में से किसी को नोडल अधिकारी बनाया जाएगा और इन कार्याक्रमों में महिलाओं को आमंत्रित किया जाएगा। इस संबंध में प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग दीपाली रस्तोगी ने कलेक्टर, सीईओ जिला पचायत एवं महिला बाल विकास विभाग को निर्देश जारी किये गये है।

बैंगलोर सम्मेलन में शामिल हुए एम्स के कार्यपालक निदेशक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स के कार्यपालक निदेशक, प्रो. डॉ. अजय सिंह ने हाल ही में 18 मार्च को बैंगलोर में ह्यूमन पेशेंट सिमुलेशन नेटवर्क सम्मेलन में एलीट गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में भाग लिया। उन्होंने वासा बैंगलोर में विश्व स्तरीय सिमुलेशन केंद्र का दौरा किया। शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध के लिए यह समय की मांग है। उन्होंने सिमुलेशन: पेशेंट सेफ्टी, मेडिकल एरर्स पर बात की। इस अवसर पर एम्स, गुवाहाटी के कार्यपालक निदेशक और सीईओ डॉ. अशोक पुराणिक, गीतम विश्वविद्यालय के प्रो वीसी मेडिकल साइंसेज डॉ. गीतांजलि बैटमैनबेन, एम्स, मदुरै के कार्यपालक निदेशक और सीईओ डॉ. एम. हनुमथ राव, एम्स, ऋषिकेश के कार्यपालक निदेशक और सीईओ डॉ. मीनू सिंह, निदेशक बंगलौर मेडिकल कॉलेज डॉ. रवि के., एआईआर कमांडर सचिन शौचे और डॉ. एस. के. मिश्रा भी उपस्थित थे।

मेडिकल लैब और इमेजिंग सेवाओं के रखरखाव और प्रबंधन के लिए समझौता

भोपाल। रेडियोलॉजी और प्रयोगशाला सेवाओं को चलाने के लिए एम्स, भोपाल और एचएलएल लाइफ केयर लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एचएलएल लाइफ केयर लिमिटेड, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक मिनी-रत्न (भारत सरकार उद्यम) है। समझौता ज्ञापन पर एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. डॉ. अजय सिंह द्वारा हस्ताक्षर किए गए । यह समझौता ज्ञापन एक साल के लिए वैध होगा और यह एम्स, भोपाल की सेवाओं के सुदृढ़ीकरण को सुनिश्चित करेगा। प्रयोगशालाओं में अभिकर्मकों और रेडियोलॉजी सेवाओं में अन्य आवश्यक अवयवों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

3 साल बढ़े हैं सबसे आगे खड़े हैं

देख रहा है सारा देश-सबसे आगे मध्यप्रदेश

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

उपलब्धियां तीन वर्ष की

लाड़ली बहना योजना

23 से 60 वर्ष की महिलाओं को प्रतिमाह ₹ 1,000 की आर्थिक सुरक्षा

मुख्यमंत्री कौशल अप्रेंटिसशिप योजना

1 लाख युवाओं को प्रशिक्षण के साथ ₹ 1 लाख तक का स्टाइपेंड

लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0

44.50 लाख से अधिक लाड़ली बेटियाँ हुईं लाभान्वित

मुख्यमंत्री इंटर्नशिप योजना

4,600 से अधिक युवाओं को दी गई पेड इंटर्नशिप

उद्योग-व्यापार की उन्नति

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से ₹ 15,42,514 करोड़ के निवेश प्रस्ताव, औसत प्रति व्यक्ति आय 2003 में ₹ 11,718 से बढ़कर अब ₹ 1,40,583 हुई

बढ़ती विकास दर

16.43% की औसतन आर्थिक विकास दर के साथ समृद्ध राज्यों में शामिल

सशक्त अन्नदाता

मध्यप्रदेश गेहूँ निर्यात में नंबर 1, कृषि विकास दर 2022 में 18.89%

सुराज कॉलोनियां

भू-माफियाओं से मुक्त कराई गई 23 हजार एकड़ भूमि पर बनेंगे गरीबों के लिए आवास

सीएम राइज़ स्कूल

₹ 6,300 करोड़ से बन रहे 9,000 आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण विद्यालय

सांस्कृतिक गौरव की पुनर्स्थापना

उज्जैन में श्री महाकाल महालोक का लोकार्पण, ₹ 2200 करोड़ की लागत से ओंकारेश्वर में 'एकात्म धाम' की स्थापना, ओरछा में राम राजा लोक, चित्रकूट में दिव्य वनवासी रामलोक और सलकनपुर में श्री-देवी महालोक मंदिर प्रस्तावित

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11252/22

सम्पादकीय

मौत की सजा का तरीका..

सजा-ए-मौत यानि फांसी पर लटकाकर मौत देना। भारत में ये दोनों शब्द एक-दूसरे के पर्यायवाची हो गए हैं। जिस भी शख्स को मौत की सजा दी जाती है, उसे फांसी के फंदे पर लटकाया जाता है। सुप्रीम कोर्ट इसे दर्दनाक तरीका मानता है और इसे बदलना चाहता है। कोर्ट ने मंगलवार को सरकार से पूछा कि क्या फांसी के बजाय मौत की सजा देने का कोई दूसरा तरीका हो सकता है, जो लटकाने वाले तरीके से कम दर्दनाक हो?

कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमन को एक एक्सपर्ट कमेटी बनाकर इस बारे में अध्ययन और जानकारी इकट्ठा करने के लिए कहा है। देखा जाए तो सुप्रीम कोर्ट ने इस सवाल पर चर्चा कराने को कहकर ऐसी बहस शुरू कर दी, जिसकी सभ्य समाज में हमेशा जरूरत रहती है। वैसे, यह एक जटिल मसला इस तरह से भी है कि मौत की सजा का तरीका तय करना न्यायपालिका की नहीं विधायिका की जवाबदेही मानी जाती है। शायद, इसीलिए शीर्ष अदालत ने भी साफ किया कि वह इस मामले में कोई आदेश नहीं जारी करने जा रही कि मौत की सजा का कौन सा तरीका तय किया जाए। लेकिन यह सवाल उसके सामने आ गया है, इसलिए यह देखना जरूरी है कि मौत की सजा देने का मौजूदा तरीका कानून और संविधान की कसौटियों पर खरा उतरता है या नहीं।

गले से लटकाकर फांसी देने के मौजूदा तरीके को सुप्रीम कोर्ट ने पिछली बार 1983 में सही बताया था, लेकिन तब से विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में जितनी प्रगति हो चुकी है, उसके मद्देनजर इस सवाल पर फिर से विचार करना बनता है। दुनिया के अन्य देशों की स्थिति पर नजर डालें तो उधर से भी इस जरूरत की पुष्टि होती है। बल्कि, बहस तो इस बात पर भी है कि मौत की सजा होनी ही क्यों चाहिए? दुनिया के ज्यादातर देश इससे तौबा कर चुके हैं। तर्क यह है कि सजा का उद्देश्य अपराधी को तकलीफ देना नहीं, सुधार का मौका उपलब्ध कराना होना चाहिए। अगर किसी अपराधी में सुधार की उम्मीद नहीं दिख रही हो और उसके समाज में रहने से अन्य लोगों को खतरा हो तो उसे उसकी जिंदगी के अंतिम पल तक कैद में रखा जा सकता है। यानि उम्र कैद की सजा दी जा सकती है।

बहरहाल, हर देश और समाज अपने हिसाब से तय करता है कि मौत की सजा रखी जाए या नहीं। अपने देश में भी यह बहुत ही कम मामलों में ही दी जाती रही है। यह बात और है कि वर्तमान में कुछ मामलों में सरकार की तरफ से फांसी की सजा तय कर दी है। जबकि दुनिया भर में यह बहस चल निकली है कि जिन मामलों में भी सजा दी जाए, उनमें इस तरह से दी जाए कि मानवीय गरिमा का किसी भी रूप में उल्लंघन न हो। सुप्रीम कोर्ट की

ताजा पहल ने हमारे न्यायतंत्र में निहित इस कसौटी की अनिवार्यता को एक बार फिर रेखांकित किया है। इसका नतीजा चाहे जो भी हो, तमाम पहलुओं पर अध्ययन के बाद फांसी की मौजूदा प्रक्रिया को सबसे कम तकलीफदेह माना जाए या फिर किसी अन्य उपाय को- मृत्यु की गरिमा के सिद्धांत की पुष्टि होनी तय है।

यदि किसी अन्य उपाय को बेहतर पाया जाता है तो मौजूदा तरीका असंवैधानिक घोषित हो जाएगा। उसके बाद विधायिका नए तरीके की पुष्टि कर सकती है। आज के दौर में जब अपने देश में, कई कारणों से, अपराधियों का सीधे एनकाउंटर कर देने का विमर्श जोर पकड़ता दिख रहा है, विशेषकर नाबालिग बच्चियों से दुष्कृत्य के मामलों में फांसी की सजा का कानून कई राज्यों द्वारा बना दिया गया है, ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि शीर्ष अदालत की यह पहल हमें इंसाफ की कसौटियों को लेकर ज्यादा जागरूक बनाएगी। मौत का और क्या तरीका हो सकता है? और, क्या मौत की सजा देना आवश्यक है? अब बहस का मुद्दा है और इसके परिणामों की प्रतीक्षा रहेगी।

अब सबकी नजर शिव की चौथी पारी के चौथे साल पर

कौशल किशोर चतुर्वेदी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज यानि 23 मार्च 2023 को चौथी पारी के तीन साल पूरे कर रहे हैं। अब उनका चौथी पारी का चौथा साल शुरू होगा। मध्यप्रदेश में यह चुनावी साल है। ऐसे में मुख्यमंत्री के रूप में शिवराज सरकार की उपलब्धियों और जनसेवक के बतौर की गई जनसेवा की अहम भूमिका है। चौथी पारी के तीसरे साल में शिवराज का महत्वपूर्ण फैसला लाड़ली बहना योजना को लागू करना रहा है। यह योजना मध्यप्रदेश की गरीब परिवारों की महिलाओं के लिए उम्मीद की किरण बन गई है। केवाईसी कराने के लिए हर शहर और कस्बे में महिलाओं की भीड़ यह साबित करने के लिए काफी है कि योजना का प्रभाव किस हद तक है।

भले ही भैया शिवराज कह रहे हों कि गांव-गांव में शिविर लगाकर अधिकारी हर बहन से फार्म भरवाएंगे। पर बहनों का योजना को लेकर उत्साह चरम पर है और वह जरूरी औपचारिकता की पूर्ति को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दे रही हैं। वहीं अब यह योजना शहरों और कस्बों में जनचर्चा का रूप भी ले चुकी है। निश्चित तौर पर शिवराज की चौथी पारी के तीसरे साल में उपजी यह योजना इस पारी के चौथे साल में कमाल दिखाने को तैयार है। यह माना जा सकता है चुनावी साल में बहनें भाई के माथे पर विजय तिलक लगाकर सरकार को आकर्षक और बहुमूल्य रिटर्न गिफ्ट देने की तैयारी में हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने शिवराज सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा है कि 2003 के पहले का मध्यप्रदेश कैसा था, यह सभी को पता है। इसके बाद प्रदेश में भाजपा की सरकार आई और उस सरकार ने एक बीमारू राज्य को विकसित बनाया। लेकिन बीच में फिर 15 महीने के लिए प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी। उस सरकार ने गरीबों के हक और अधिकार छीन लिए। प्रदेश को वापस दुरावस्था की ओर ले गई। तभी एक घटना घटी और प्रदेश में फिर से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी। भाजपा की सरकार ने गरीबों के अधिकार लौटाए और प्रदेश को खुशहाली तथा विकास के रास्ते पर लाई। 23 मार्च को भाजपा की प्रदेश सरकार अपने चौथे कार्यकाल के तीन साल पूरे कर रही है और हमारे लिये गर्व की बात है कि इस सरकार ने बीते तीन सालों में बेमिसाल काम किया है। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश सरकार की इस वर्षगांठ को पूरे प्रदेश में मनाएगी। भाजपा की शिवराज सरकार ने बीते तीन सालों में किसान, युवा, महिला, बेटियां और बुजुर्गों समेत समाज के हर वर्ग का ध्यान रखा है।

चौथी पारी की महत्वपूर्ण योजनाओं और प्रदेश को मिली सौगातों पर गौर करें तो शिवराज सरकार ने कक्षा 12 वीं में मैरिट में आने वाली छात्राओं को स्कूटी देने की घोषणा की है। 25 मार्च से लाड़ली बहना योजना के फॉर्म भराना शुरू हो जाएंगे, जिसमें प्रत्येक पात्र बहन को 1000 रुपये प्रतिमाह दिये जाने का प्रावधान है। भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश सबसे कम बेरोजगारी दर वाले राज्यों में एक बन गया है। सरकार ने पेसा एक्ट लागू करके जनजातीय समुदाय को अधिकार संपन्न बनाया है, तो अनुसूचित जातियों के 1.42 करोड़ हितग्राहियों को हितलाभ दिये हैं।

संत रविदास जी का भव्य स्मारक बनाने के लिए 100 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में कई सीएम राइज स्कूल और 19 मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं। 44605 करोड़ रुपये लागत वाली केन-बेतवा लिंक परियोजना पर मुहर लगाकर केंद्र ने प्रदेश को बड़ी सौगात दी है, जिसमें शिवराज सरकार की बड़ी भूमिका है। महात्मा गांधी के सपने को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए मध्यप्रदेश स्वच्छता के मामले में देश का नं.-1 राज्य बन गया है, वहीं प्रदेश के इंदौर शहर को लगातार छठी बार स्वच्छता का सम्मान मिला है। इंदौर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के भव्य आयोजन किए गए। वहीं जी-20 बैठकों के सफल आयोजन से मध्यप्रदेश का नाम विश्व पटल पर अंकित हो गया है। पालपुर-कूनो अभ्यारण्य में नामीबिया तथा दक्षिण अफ्रीका से चीते लाए गए हैं और मध्यप्रदेश घड़ियाल, लेपर्ड, टाइगर तथा गिद्ध के बाद अब चीता स्टेट भी बन गया है। मध्यप्रदेश में खेलो इंडिया गेम्स का आयोजन किया गया, जिसमें 39 स्वर्ण पदक हासिल कर प्रदेश तीसरे स्थान पर रहा है। देश की जीडीपी में मध्यप्रदेश का योगदान 3.6 से बढ़कर 4.8 प्रतिशत हो गया है, वहीं प्रदेश की आर्थिक विकास दर 19.74 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो देश में सर्वाधिक है।

यानि कि अब भाजपा संगठन ने सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का फैसला किया है। यानि कि शिवराज सिंह चौहान के चौथी पारी के चौथे साल के पहले पखवाड़े में भाजपा संगठन पूरी तरह से शिवराजमय? रहेगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा के नेतृत्व में हर कार्यकर्ता घर-घर जाकर शिवराज सरकार के कार्यों और उपलब्धियों को गिनाएगा। चौथी पारी में शिवराज को विष्णु दत्त शर्मा शुभंकर के रूप में मिले हैं। उनके अध्यक्ष पद संभालने के एक माह बाद ही प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में सरकार बनी और शिवराज की चौथी पारी शुरू हुई। तो शिवराज का मुख्यमंत्री बतौर चौथी पारी के चौथे साल में कदम रखना भाजपा संगठन के लिए उत्सव से कम हो भी कैसे सकता है। सरकार और संगठन को मिलकर इतिहास जो रचना है। अब सबकी नजर शिव की चौथी पारी के चौथे साल पर टिकी हैं।

बेमौसम बारिश ने गणित बिगाड़ दिया

-राकेश दुबे

भारत में खेती बारिश के भरोसे ही फलती-फूलती है, और उससे जुड़ा चक्र बाज़ार और बाज़ार आम आदमी को प्रभावित करता है । मानसूनी बारिश का इंतजार किसान शिद्दत से करता है, लेकिन यदि यही बारिश बेमौसमी हो तो आफत का सबब बनती है।अगले दिन कैसे बीतेंगे,चिंता का सबब है।

पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी विक्षोभ से होने वाली बारिश ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें ला दी हैं। दरअसल, खेतों में गेहूं की फसल पक चुकी है। किसान अनाज खलिहानों से निकालकर मंडी ले जाने की तैयारी में है। इसी तरह सरसों की फसल भी पक चुकी है। पिछले दिनों से उत्तर भारत के कई राज्यों में हुई बेमौसमी बरसात से गेहूं-सरसों की फसल को काफी नुकसान हुआ। जहां सरसों में बीज तैयार हो चुका था, ओलावृष्टि से वो बिखरा है। दूसरी ओर जो सरसों मंडियों तक पहुंची थी, वह बारिश से भीग गयी। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल वार्मिंग से जो तापमान वृद्धि हुई है, उससे मौसम के मिजाज में तीव्र परिवर्तन आया है।

इन दिनों हमारी खाद्य श्रृंखला पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। बारिश की आवृत्ति, उसके समय और गुणवत्ता में बदलाव आया है। बारिश तेज होती है और कम समय के लिये होती है। पिछले दिनों अचानक तापमान में समय से पहले हुई वृद्धि को गेहूं की फसल के लिये नुकसानदायक माना जा रहा था। पिछले साल भी ऐसा ही हुआ था कि समय से पहले तापमान वृद्धि से भरी-पूरी फसल के बावजूद गेहूं का दाना छोटा रह गया था। जिससे उत्पादकता में कमी आई और किसान को नुकसान उठाना पड़ा। ऐसे में जब बारिश हुई तो कयास लगाये जा रहे थे कि तापमान में कमी आना गेहूं की फसल के लिये लाभदायक रहेगा, लेकिन तेज बारिश ने किसानों के अरमान पर पानी फेर दिया है। किसान व विपक्ष कव नेता मांग कर रहे हैं कि फसलों को हुए नुकसान का आकलन करके तुरंत किसानों को राहत राशि दी जाये। निस्संदेह, यह वक्त की जरूरत भी है।

वैसे पिछले दिनों देश के विभिन्न भागों में किसान आलू-प्याज की भरपूर फसल होने के बावजूद कीमतों में आयी गिरावट का त्रास झेल रहे थे। कहीं सड़कों पर आलू बिखेरने व आलू की फसल पर ट्रेक्टर चलाने की खबरें आ रही थीं तो नासिक में प्याज उत्पादकों के आंदोलन की सुगबुगहाट थी। वहीं किसान संगठन भी अपनी पिछली मांगों पर केंद्र का सकारात्मक प्रतिसाद न मिलने के बाद दिल्ली में फिर एकजुट हुए हैं। बहरहाल, बारिश के चलते फसलों को होने वाले नुकसान ने किसानों की मुसीबतें और बढ़ा दी हैं।

मौसम विज्ञानी पश्चिमी विक्षोभ के चलते कुछ और दिन बारिश की भविष्यवाणी कर रहे हैं। ऐसे में जहां किसानों को फौरी राहत दिये जाने की जरूरत है, वहीं केंद्र व राज्य सरकारों को फसलों हेतु नये शोध-अनुसंधान को बढ़ावा देने की जरूरत है, जो ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से होने वाले नुकसान को रोकने में किसानों की मदद करें।

निस्संदेह, लगातार मौसम की बेरुखी से किसान के माथे पर चिंता की लकीरें गहरी होती जा रही हैं। दूसरे, मंडियों में कृषि उत्पादों के वाजिब दाम न मिल पाने से किसान अपनी लागत भी हासिल नहीं कर पा रहा है। यह संकट किसानों की आने वाली पीढ़ी को खेती से विमुख करने वाला है। बहुत संभव है कि एक सौ चालीस करोड़ की आबादी वाले देश में आने वाले दशकों में खाद्यान्न संकट पैदा हो जाये। जिसके लिये अभी से दूरगामी नीतियां बनाने की जरूरत है।

चिंता की बात यह भी है कि हालिया बे-मौसमी बारिश व ओलावृष्टि से मध्यप्रदेश हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में गेहूं,मटर व सरसों आदि फसलों को ठीक कटाई से पहले हुए नुकसान के चलते खाद्य मुद्रास्फीति न बढ़ जाये। इससे केंद्र सरकार और आरबीआई द्वारा मुद्रास्फीति को कम करने के प्रयासों को झटका लग सकता है। साथ ही सरकार द्वारा देश के अस्सी करोड़ लोगों को दिये जा रहे खाद्यान्न सहायता कार्यक्रम पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है। वहीं सरसों की फसल प्रभावित होने से खाद्यान्न तेलों के आयात का दबाव भी बढ़ सकता है। निस्संदेह, आम आदमी के लिये महंगाई की चुनौती भी बढ़ सकती है।

भगतसिंह की जमीन पर खालिस्तान का भ्रम ...!

ब्रह्मदीप अलूने

भगतसिंह ने शहादत से ठीक पहले साथियों को जो पत्र लिखा था,उसमें उन्होंने फांसी पर चढ़ने की ख़ुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब हिन्दुस्तानी माताएं अपने बच्चों के भगतसिंह बनने की आरजू किया करेंगी। हालांकि उन्होंने अपने बलिदान को मातृभूमि की सेवा के हजारवें भाग से भी कम बताया था। इसका कारण उनके गुरुओं की देशभक्ति,सेवा,त्याग और सिखों का मातृभूमि के प्रति मर मिटने का वह जज्बा था जिसकी इतिहास और कोई मिसाल नहीं हो सकती थी।

जलियावाला बाग़ हत्याकांड से उद्देलित होकर भगत सिंह लाहौर से अमृतसर पहुंचे और रक्त से भीगी मिट्टी को एक बोतल में रखकर उन्होंने अंग्रेजों से बदला लेने की कसम ली। भगतसिंह के पास जीवन भर यह मिट्टी रही जो उन्हें फिरंगियों से गहरी नफरत का एहसास कराती थी और ब्रितानी साम्राज्य को उखाड़ फेंकने के लिए उद्देलित करती थी। एक बार माता पिता ने भगतसिंह की शादी की बात की तो उन्होंने साफ कहा कि,मैं स्वयं को भारत मां की आज़ादी के लिए अर्पण कर चूका हूं । इसलिए कभी मेरे विवाह के बारे में न सोचा जाये। साइमन कमीशन का विरोध करते हुए लाला लाजपत रॉय की अंग्रेज़ों ने जब लाठी डंडों से पीटकर हत्या कर दी तो क्रांतिकारियों का खून खौल उठा। चंद्रशेखर आज़ाद,भगतसिंह और साथियों ने इसके ज़िम्मेदार सांडर्स को सबक सिखाने की ठान ली। राजगुरु ने सांडर्स को निशाना बना कर उसके पुलिस कार्यालय के सामने ही ढेर कर दिया।

भगतसिंह,राजगुरु और सुखदेव की फांसी की सजा ने आज़ाद को बहुत दुखी कर दिया था। आज़ाद रात दिन अपने साथियों को जेल से छुड़ाने की योजना बनाते रहते। तमाम विपरीत परिस्थितियों से जूझते हुए भी आज़ाद ने हार नहीं मानी और अंततः भगतसिंह,राजगुरु और सुखदेव को जेल से भगा लेने की योजना बना ही ली। लेकिन भगतसिंह,राजगुरु और सुखदेव भागने के बजाय फांसी पर चढ़कर देश के युवाओं को क्रांति और देशभक्ति का सन्देश देना चाहते थे। उन्होनें आज़ाद की योजना पर ख़ामोशी ओढ़ ली। भगतसिंह ने बचाव की लिए कोई वकील भी नहीं रखा और अपने मुकदमे की पैरवी खुद की। वे जज के सामने स्वतंत्रता और साम्राज्यवाद पर खुलकर अपनी बात रखते थे जिससे देश के युवा ज्यादा से ज्यादा स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा बने। जेल में बंद एक स्वतंत्रता सेनानी ने जब इस बारे में भगतसिंह से पूछा कि,आप और आपके साथियों ने लाहौर षड्यंत्र केस में अपना बचाव क्यों नहीं किया। इस पर भगत सिंह का जवाब था कि,इन्कलाबियों को मरना ही होता है,क्योंकि उनके मरने से ही उनका अभियान मज़बूत होता है,अदालत में अपील से नहीं।

भगत सिंह की रिहाई की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन हुए,यहां तक की इंग्लैंड की संसद के निचले सदन के कुछ सदस्यों ने भी फांसी की सजा का विरोध किया। वास्तव में भगतसिंह और साथियों को फांसी पर चढ़ाये जाने के पीछे अंग्रेजों की क्रांतिकारियों के प्रति नफरत हावी थी। जबकि भगत सिंह,राजगुरु और सुखदेव फांसी पर चढ़ कर देश में आज़ादी के संदेश को और दृढ करना चाहते थे। इसलिए उन्होंने अपनी सजा को स्वीकार किया,माफ़ी नहीं मांगी,जेल से भागने की आज़ाद की योजना स्वीकार नहीं की और ब्रिटिश साम्राज्य का अदालत में लगातार खुला विरोध किया। देश में जनजागृति की मिसाल कायम करते हुई इन महान वीरों ने फांसी के तख्ते को चूमा और हंसते हंसते अपने प्राणों को भारत माता के चरणों में न्यौछावर कर दिया।

भगतसिंह का पूरा परिवार ही देश भक्त था,जिस दिन भगत का जन्म हुआ,उनके चाचा जेल से रिहा हुए थे। परिवार ने इसीलिए उनका नाम भागां अर्थात् अच्छे भाग्य वाला रखा था। जब भगतसिंह को फांसी की सजा सुनाई गई तो इस महान देश भक्त की माता ने गर्व से अभिभूत अपने बेटे से एक वचन लिया। दरअसल भगत सिंह ने अपनी माँ को वचन दिया था कि वो फांसी के तख़्ते से इंक़लाब ज़िंदाबाद का नारा लगाएंगे। मां को दिए वचन को पूरा करते हुए इस वीर ने फांसी के फंदे को चूमा,इंकलाब जिंदाबाद का नारा लगाया और हंसते हंसते मौत को गले लगा लिया। देश के लिए मर मिटने का जज्बा भगतसिंह में कूट कूट कर भरा था,एक बार माता पिता ने भगतसिंह से शादी कर घर बसाने की जिद कि तो उन्होंने साफ कहा की मैं स्वयं को भारत मां की आज़ादी के लिए अर्पण कर चूका हूँ। इसलिए कभी मेरे विवाह के बारे में न सोचा जाये।

फांसी देने के बाद भी अंग्रेज बूरी तरह से डरे हुए थे क्योंकि भीड़ बड़ी संख्या में जेल के बाहर जुट चुकी थी। अंग्रेज अधिकारियों का विचार था कि इन सबका अंतिम संस्कार जेल के अंदर ही किया जाएगा,लेकिन फिर ये विचार त्यागना पड़ा जब अधिकारियों को आभास हुआ कि जेल से धुआँ उठते देख बाहर खड़ी भीड़ जेल पर हमला कर सकती है। इसलिए जेल की पिछली दीवार तोड़ी गई,उसी रास्ते से एक ट्रक जेल के अंदर लाया गया और सामान के नीचे शवों को छुपा दिया गया। फिर चुपचाप फिरोजपुर के पास सतलज किनारें रात 10 बजे तीनों शहीदों का अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। अगले दिन दोपहर के आसपास ज़िला मैजिस्ट्रेट के दस्तख़त के साथ लाहौर के कई इलाकों में नोटिस चिपकाए गए जिसमें बताया गया कि भगत सिंह,सुखदेव और राजगुरु का सतलज के किनारे हिंदू और सिख रीति से अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

लाहौर से फैसलाबाद जाते हुए रास्ते में एक गांव पड़ता है बंगा। यहीं पर भगतसिंह का जन्म हुआ था। बंटवारे के वक्त इस गांव से सारे हिन्दू और सिख भारत आ गए लेकिन आज भी भगतसिंह की यादें इस गांव में सुरक्षित है। भगत सिंह की हवेली को पाकिस्तान में राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया गया है,यह बात और है कि उस हवेली की देखभाल सरकार नहीं बल्कि विभाजन के समय भारत से गए हुए एक मुसलमान साकिब वरक करते है। 1947 में ये घर उनके दादा फज्ल कादिर वरक को अलॉट हुआ था और उस दौर से ही दुनियाभर से लोग इसे देखने आते रहते हैं। उस गांव में रहने वाले बुजूर्ग मुहम्मद सिद्दीक बताते है कि,भगत सिंह कहते थे कि ये मुल्क हमारा है,यहां की जमीन भी हमारी है,लेकिन हुक्मरानी और कानून अंग्रेज का चले,ये मुझे मंजूर नहीं। इसी जद्दोजहद में उन्होंने अपनी जान कुर्बान कर दी। भगतसिंह को चाहने वाले भारत और पाकिस्तान दोनों जगह मिल जायेंगे,इसका प्रमुख कारण यह भी है कि वे राष्ट्र को धर्म से पहले रखते थे।

पिछले कुछ वर्षों में यह देखने में आया है कि पंजाब के कुछ भटके हुए लोग अलग राष्ट्र यानि अलग सिख होमलैंड खालिस्तान की मांग करते है। खालिस्तानी मीरी-पीरी यानी राजकाज और धार्मिक नेतृत्व पर विश्वास करते है। वे चाहते हैं कि ये दोनों काम गुरुद्वारे ही करें। पंजाब के आम आदमी के लिए भगतसिंह ही हीरो है। इसीलिए ये लोग खालिस्तानियों से इत्तेफाक नहीं रखते। उनके लिए गुरुद्वारे श्रद्धा,भक्ति और आस्था का प्रतीक है तथा वे मानते है कि राजनीति के लिए धार्मिक स्थल का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। आखिर शहीद-ए-आजम भगतसिंह भी धर्म को राजनीति से अलग करते हुए इसे व्यक्तिगत बताते थे साथ ही इसमें दूसरों के दखल को वे गैर जरूरी बताते थे।((राजनीतिक विश्लेषक)

राजनीति का आभूषण अहंकार, क्षमा इंसानी संस्कार

सरयूसुत मिश्र

भारत की संसद राहुल गांधी द्वारा माफी नहीं मांगने के कारण नहीं चल पा रही है. राहुल गांधी माफी नहीं मांगने पर अड़े हैं तो सत्ताधारी पक्ष माफी के लिए अमादा है. माफी-माफी के इस खेल में सदन नहीं चल रहा है. इससे किसी को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है कि सदन न चलने से जन-धन की कितनी बर्बादी हो रही है..!

लंदन में राहुल गांधी ने भारत के लोकतंत्र को लेकर जो भी बात कही थी उसका जो भी लोकतांत्रिक असर होना था वह तो हो ही चुका है. माफी मांगने से तो माफी मांगने वाले का सम्मान बढ़ता है. राहुल गांधी जब स्वयं अपना सम्मान बढ़ाने के लिए चिंतित नहीं हैं तो फिर विरोधियों को उनके सम्मान के लिए इतना चिंतित होने की क्या आवश्यकता है? अगर राहुल गांधी माफी मांग भी लेंगे तो उससे देश पर क्या प्रभाव पड़ेगा? लोगों के जीवन में उस माफी का क्या असर होगा?

राजनीति में माफी कोई नई बात नहीं है. कई बार तो राजनीतिक दल के नेता अपनी गलतियों के लिए सार्वजनिक रूप से जनता से माफी मांगते हैं. कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने भी माफी मांगी है. आजकल राजनीतिक बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का स्तर इतना गिरता जा रहा है कि अब तो अदालतों में भी माफी मांगने की परंपरा सी चल पड़ी है. हर राज्य में राजनीतिक नेताओं के बीच मानहानि के मुकदमे चल रहे हैं. कई मुकदमों में तो माफी मांग कर मामले को रफा-दफा किया गया है लेकिन कई मामले अभी भी चल रहे हैं.

माफी की मांग और माफी की जरूरत को देखते हुए यह विषय जनमानस में पनप रहा है कि हमारे समाज के आदर्श नेता ऐसी बातें क्यों कहते हैं जिससे कि माफी मांगने की जरूरत पड़े? कांग्रेस तो राहुल की माफी मांगने की बात को भी सावरकर से जोड़ दिया है. कांग्रेस ने ही ऐसा परसेप्शन बनाया है कि सावरकर ने अंग्रेजों से माफी मांगी थी. इस पर कई बार तथ्यात्मक बातें आ चुकी हैं लेकिन कांग्रेस इस तरह के अतीत के पन्नों को उलट कर न मालूम क्या साबित करना चाहती है?

इतिहास में किसी ने माफी मांगी थी या नहीं मांगी थी, इसका आज के भारत पर क्या असर है? किसी भी वर्तमान नेता के परिवार या उसके पूर्वजों के कृत्यों से वर्तमान पीढ़ी को कलंकित या दोषी बताने का प्रयास क्या जायज कहा जाएगा? इतिहास में तो न मालूम कितनी घटनाएं हैं जिनमें राजा-महाराजाओं, स्थापित राजनीतिक परिवारों में ऐसे कृत्य किए गए हैं जिसके लिए जन धारणाएं आज भी बनी हुई हैं.

चाहे संसद हो या राज्यों की विधानसभा हो, कमोबेश हर दिन चर्चा में ऐसे वाक्य या शब्द निकल जाते हैं जिस पर नेता माफी मांग कर या खेद व्यक्त कर आगे बढ़ जाते हैं. संवाद के पवित्र मंच पर शब्दों और अपनी भाषा पर पकड़ एक बहुत बड़ी ताकत होती है लेकिन हर राजनेता की इन पर पकड़ हो ऐसा संभव नहीं होता. कई बार ऐसी परिस्थितियां बनती हैं और तत्काल खेद व्यक्त कर मामला निपटा दिया जाता है.

राहुल गांधी के माफी मांगने का जो मामला है वह इसलिए ज्यादा महत्वपूर्ण कहा जा सकता है क्योंकि सत्ताधारी पक्ष ऐसा मान रहा है कि उन्होंने विदेश में जाकर भारतीय लोकतंत्र का अपमान किया है. राजनीति में विकास और अर्थव्यवस्था के मुद्दे कम ही चर्चा में आ पाते हैं. अधिकांश मामले ऐसे ही मान-अपमान के चलते रहते हैं. उन पर ही लोकतंत्र की सारी ऊर्जा लगाई जाती है.

राहुल गांधी ने क्या कहा, उससे जो भी परिस्थितियां देश में बनी, उसको देशवासियों ने महसूस किया. ऐसे राजनीतिक मुद्दों का यही हश्र होता है कि जनता के बीच नेता के बारे में एक धारणा विकसित होती है. राहुल गांधी के मामले में लंदन में दिए गए बयानों के पक्ष में जो धारणा बनी है वह धारणा बन चुकी है. लेकिन माफी के नाम पर देश के सदन को चलने नहीं देना देश के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण लगता है.

भारतीय संस्कृति में तो क्षमा व्यक्ति का आभूषण होता है. हमारे धर्म में माफी मांगने को मनुष्य का सबसे बड़ा गुण माना गया है. क्षमा वही मांग सकता है जिसमें अहंकार नहीं होगा. जब तक अहंकार प्रभावी रहेगा तब तक कोई भी माफी नहीं मांग सकता है. राहुल गांधी कोई नए राजनेता नहीं हैं. कई दशकों से संसद में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं. माफी मांगना या नहीं मांगना उनका निजी मामला है लेकिन माफी मांगना कभी भी इंसान को ऊंचाई ही प्रदान करता है.

भारतीय राजनीति आज अहंकार का शिकार होती दिखाई पड़ रही है. एक छोटा सा भी नेता अपने अहंकार में इतना डूबा होता है कि जन सामान्य से बहुत दूर दिखाई पड़ता है. राजनीति में अहंकार का कोई स्थान नहीं होना चाहिए. जो नेता अहंकार से दूर होता है वह लोकप्रियता की दृष्टि से जनता में सबसे ऊंचा स्थान पाता है. ऐसा नहीं है कि हमारे सामने उदाहरण नहीं हैं. बहुत सारे जन नेता हैं जिन्हें जनता में सम्मान और गरिमा के साथ देखा जाता है.

भारतीय लोकतंत्र को अब माफी की राजनीति से आगे जाने की जरूरत है. अब भारतीय राजनेताओं को ऐसाआचरण पेश करने की जरूरत है कि माफी मांगने की या माफी की मांग की जरूरत ही न पड़े. भारतीय लोकतंत्र परिपक्वता के मामले में काफी आगे बढ़ गया है. अब देश राजनेताओं से इस परिपक्वता की अपेक्षा करता है. सेवा के इस पवित्र क्षेत्र में माफी और क्षमा प्रेम का अस्त्र माना जाएगा. अहंकार राजनीति में बहुत लंबे समय तक राजनीतिक जीवन को जीवित रखने में सहयोगी नहीं बन सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

श्रीमहाकाल लोक द्वितीय चरण के निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण हों: चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ने गुरूवार को उज्जैन में श्रीमहाकाल लोक स्थित कंट्रोल रूम में श्रीमहाकाल लोक के द्वितीय चरण के निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि निर्माण कार्यों की गति और गुणवत्ता का ध्यान रखा जाये। जिन कार्यों की समय-सीमा जून एवं जुलाई में पूर्ण करने की है, उसी के अनुरूप निर्माण कार्यों को पूर्ण किया जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमहाकाल लोक के आसपास का विकास एवं श्रद्धालुओं के लिये सुविधाओं का विकास सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए किया जाये।

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने प्रेजेंटेशन से द्वितीय चरण के विभिन्न निर्माण कार्यों की जानकारी दी। बताया गया कि शिखर दर्शन, आपातकालीन द्वार, कोटि तीर्थ का जीर्णोद्धार एवं फसाड का कार्य गति के साथ पूरा किया जा रहा है। द्वितीय चरण में महाराजवाड़ा परिसर का उन्नयन तथा हैरिटेज धर्मशाला के पुनरुपयोग का कार्य, महाराजवाड़ा बेसमेंट पार्किंग निर्माण, नीलकंठ वन मार्ग का विकास और नीलकंठ वन का विकास कार्य भी जारी है। उक्त सभी निर्माण कार्य जून माह तक पूर्ण हो जायेंगे। साथ ही शिखर दर्शन, आपातकालीन प्रवेश तथा निर्गम मार्ग, लेजर एवं वाटर स्क्रीन-शो, श्रीमहाकालेश्वर मन्दिर परिसर का फसाड, आन्तरिक परिसर का विकास, नन्दी हॉल का सौंदर्यीकरण, महाकालेश्वर मन्दिर परिसर में महाराजवाड़ा परिसर का सम्मिलन कार्य, दान द्वारा धर्मशाला एवं अन्नक्षेत्र का निर्माण भी द्वितीय चरण में किया जा रहा है। द्वितीय चरण के कुछ कार्य जुलाई माह तक पूर्ण होंगे। कलेक्टर ने दानदाताओं के सहयोग से निर्मित किये जा रहे अन्नक्षेत्र के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अन्नक्षेत्र में 2हजार व्यक्ति एक साथ बैठ कर भोजन कर सकेंगे। एक दिन में 90 हजार से एक लाख लोगों को भोजन प्रसादी प्रदान की जा सकेगी। अन्नक्षेत्र में विशाल एवं आधुनिक रसोई का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही रसोई में सेवा करने के इच्छुक लोगों के लिये पृथक से व्यवस्था की जा रही है।

कलेक्टर ने श्रीमहाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति के आय-व्यय की जानकारी भी दी। बताया गया कि वर्ष 2020-21 में मन्दिर में कुल 22 करोड़ रूपये की आय हुई थी, जबकि वर्ष 2021-22 में 46 करोड़ 51 लाख रूपये की आय हुई है। वर्तमान में जब से श्रीमहाकाल लोक का लोकार्पण हुआ है, तब से लेकर अब तक प्रतिमाह 7 करोड़ 74 लाख रूपये की आय हो रही है। उन्होंने बताया कि महाकाल लोक स्थित दुकानों से भी 65 करोड़ रुपये की आय होने का अनुमान है। श्रीमहाकाल लोक में आने वाले श्रद्धालुओं और सिंहस्थ-2028 के मद्देनजर ट्रैफिक प्लान पर भी काम हो रहा है। साथ ही 16 हेक्टेयर जमीन पर भक्त निवास निर्माण की भी योजना है, जहाँ 2250 कमरे, 2 हजार कार और 100 बसों की पार्किंग हो सकेगी।

सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक बहादुरसिंह चौहान, महापौर मुकेश टटवाल, संभागायुक्त संदीप यादव, आईजी संतोष कुमार सिंह, डीआईजी अनिल कुशवाह, कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम, पुलिस अधीक्षक सत्येन्द्र कुमार सहित जन-प्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैठक के बाद श्रीमहाकालेश्वर मन्दिर परिसर पहुँच कर द्वितीय चरण में किये जा रहे कोटि तीर्थ विकास के कार्य का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। कलेक्टर ने कार्य संबंधी जानकारी से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने माँ हरसिद्धि के दर्शन किए

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उज्जैन प्रवास के दौरान चैत्र नवरात्रि की प्रतिपदा पर शक्तिपीठ माँ हरसिद्धि मंदिर पहुँचकर दर्शन किए और पूजन-अर्चन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

भगवान झूलेलाल की शोभा यात्रा आज, शामिल होने की अपील

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर के सभी हर आयु वर्ग के सुद्धि स्त्री, पुरुष बच्चों से विनम्र आग्रह है कि सिंधियों और समस्त हिंदु समाज के इष्ट देव वरुणावतार भगवान श्री झूलेलाल जी के पावन अवतरण आज 23 मार्च गुरुवार को अपराह्न में वार्ड 5 स्थित सिंधु समाज भवन से आकर्षक शोभा यात्रा का आयोजन किया गया है। शोभा यात्रा में संत हिरदाराम नगर के तमाम आदरणीय साधु, संत व धार्मिक गुरु आशीर्वाद प्रदान करने के लिए दर्शनार्थ मौजूद रहेंगे। आप भी सपरिवार शोभा यात्रा में शामिल होकर शोभा बढ़ाएं। यात्रा में शामिल होने की अपील प्रकाश मीरचंदानी, ईश्वरदास हिमथानी, रमेशलाल आसवानी, संरक्षक वासुदेव वाधवानी,

अध्यक्ष चंदप्रकाश ईसरानी, महासचिव सुरेश जसवानी,संत नरेश पारदासानी, नरेश चोटरानी, जगदीश आसवानी, मनोहर वीधानी, रामचंद सबनानी - उपाध्यक्ष तथा समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य सिंधी सेंट्रल पंचायत संत हिरदाराम नगर भोपाल मध्यप्रदेश प्रमुख हैं।

मैंने रक्तदान किया
WORLD BOOK OF RECORDS
LONDON
YEAR 2022
GOLDEN
YEAR 2022

रक्तदान दिवस के उपलक्ष्य में 21 माच को शाजापुर जिले में 22स्थानों पर रक्तदान हुआ, जिसमें कुल 3511यूनिट रक्त एकत्र हुआ।

CALL
2554816
माहेश्वरी

शहीद दिवस पर आज कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने शहीद भगत सिंह राजगुरू एवं सुखदेव को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

भाजपा को बूथ स्तर तक मजबूत करना ही मेरी पहली प्राथमिकता: कविता पाटीदार

कमलनाथ का छिंदवाड़ा मॉडल फेल

सचिन चौरसिया छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश महामंत्री, संभाग प्रभारी जबलपुर, प्रदेश प्रभारी युवा मोर्चा, लोकसभा प्रवास योजना की छिंदवाड़ा प्रभारी, राज सभा सांसद कविता पाटीदार ने कहां मुझे खुशी है कि संगठन ने मातृशक्ति के नेतृत्व पर भरोसा किया संगठन ही सर्वोपरि है मैं संगठन के प्रति बहुत आभारी हूं मुझे पहले भोपाल संभाग की प्रभारी बनाया गया उसके बाद जबलपुर संभाग दिया गया कहीं न कहीं यह मातृ संगठन के प्रति नेतृत्व का भरोसा है। भाजपा को बूथ स्तर तक सशक्त बनाकर भाजपा को मजबूत करना ही पहली प्राथमिकता है उन्होंने युवाओं को लेकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने जिस तरह संगठन में आयु सीमा लाकर युवाओं को आगे बढ़ाया है क्योंकि युवा देश का भविष्य है, मंडल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष सभी युवा हैं वहीं उन्होंने युवाओं के लिए बनाए जाने वाले मुख्यमंत्री जी द्वारा युवाओं से पूछकर बनाए जाने वाले युवा ड्राफ्ट की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि हमने प्रदेश में युवा सम्मेलन, निबंध प्रतियोगिता करवाई जिसमें ऐसे विषय जो आज के युवाओं को जानने जरूरी है आपातकाल, अमृत महोत्सव, इन सब विषयों को लेकर हमने युवा सम्मेलन व निबंध प्रतियोगिता करवाई और आगे भी संभाग स्तर पर यूथ सम्मेलन करवाएंगे। संगठन को लेकर उन्होंने कहा कि हम बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत कर रहे हैं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह, प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा के नेतृत्व में बूथ विस्तारक योजना में त्रिदेव बूथ समिति को डिजिटल किया गया है वही बूथ विस्तारक अभियान के तहत पन्ना प्रमुख और पन्ना समिति भी बनाई जाएंगी। छिंदवाड़ा मॉडल के बारे में उन्होंने कहा कि यह कोई मॉडल नहीं है मॉडल तो शिवराज जी ने स्थापित किया है कांग्रेस ने तो कन्यादान योजना में 51 हजार की घोषणा कर दी पर बेटियों के खाते में एक भी रुपए नहीं पहुंचे, वही इतनी महत्वपूर्ण संबल योजना बंद कर दी किसानों को झूठे वादे किए, युवाओं को ढोर चलाने लायक समझा छिंदवाड़ा में शिक्षा स्वास्थ्य के नाम पर कोई ध्यान नहीं दिया गया यहां के युवाओं को परीक्षा देने के लिए भी बाहर जाना पड़ रहा है। राज्यसभा सांसद निधि को लेकर उन्होंने कहा कि विकास यात्रा के दौरान मैंने छिंदवाड़ा में बाउंड्री वॉल के लिए स्वीकृति दी है आगे भी और कोई मांग पर राशि दूंगी। छिंदवाड़ा कमलनाथ के गढ़ को लेकर उन्होंने कहा कि विकास तो बीजेपी ने किया केंद्र व प्रदेश की योजना का लाभ हितग्राहियों को मिल रहा है। आयुष्मान योजना में छिंदवाड़ा प्रथम है गांव गांव में प्रधानमंत्री आवास बन गए हैं यह बीजेपी के विकास को दर्शाता है। कांग्रेस का विकास शून्य हैं मेडिकल कॉलेज भी बीजेपी सरकार की देन है।

ऑल इण्डिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी का ऐलान, आज से तरावीह और 24 मार्च से रोजे़ शुरू होंगे

भोपाल। ऑल इण्डिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के अध्यक्ष हज़रत पीरज़ादा डॉ. औसाफ़ शाहमीर खुर्रम मियाँ चिश्ती ने ऐलांन करते हुए बताया कि आज देश में रमज़ान उल मुबारक का चाँद नज़र नहीं आया है इस लिहाज से इस्लामी कैलेण्डर वर्ष 1444 हिजरी का रमज़ान का पवित्र महीना कल से शुरू होगा। शाम से ही देश भर की अनेक मस्जिदों,खांनकाहों, इमामबाड़ों, जमातख़ानों, मदरसों ,दरग़ाहों में नमाज़ तरावीह, सहरी, तथा कल से रोज़ा इफ़तार के कार्यक्रम भी शुरू होंगे ... उन्होंने बताया कि मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से इस सम्बंध में हुई चर्चा अनुसार रमज़ान की तैयारियों के सिलसिले में सरकार ने सभी ज़िला कलेक्टर, कमिशनर, आई.जी एवं अन्य पुलिस अधिकारियों, बिजली विभाग और नगरीय निकायों के अधिकारियों तथा नगर निगम आयुक्तों, ज़िला पंचायत अधिकारियों को राष्ट्रीय पर्व रमज़ान के अवसर पर सभी नागरिकों के लिए बेहतर व्यवस्थाएँ करने तथा सभी धार्मिक, परम्परागत कार्यक्रमों में सुरक्षा व्यवस्था करने के कड़े निर्देश दिये हैं।

देश के सभी ज़िलों, शहरों में भी ऑल इण्डिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी ट्रस्ट की ज़िला इकाईयो के तत्वावधान में रमज़ान के परम्परागत सभी धार्मिक कार्यक्रम गंगा जमुनी संस्कृति के तहत आपसी समन्वय से सद्भावनापूर्वक सम्पन्न होंगे। मुस्लिम त्यौहारों के कार्यक्रमों की मुख्य आयोजक ऑल इण्डिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी ट्रस्ट के अध्यक्ष हज़रत पीरज़ादा डॉ. खुर्रम मियाँ चिश्ती ने सभी देशवासियों से रमज़ान उल मुबारक का पर्व भारत देश की गंगा जमुनी तहज़ीब के मुताबिक़ सांझी विरासत को सर्वोपरि रखते हुए आपसी सद्भाव, प्रेम, भाईचारे और अक़ीदत के साथ मिल जुलकर मनाने की पुरखुलूस अपील की है।

श्रीमती मीना पाटनी का दु:खद निधन

छिंदवाड़ा। वरिष्ठ पत्रकार व इंका नेता श्री कैलाश पाटनी की धर्मपत्नी व, मनोज, नीरज एवं पंकज पाटनी की चाची श्रीमती मीना पाटनी का 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है वे कुछ दिनों से बीमार थी वे अनेक समाज सेवी संस्थाओं से जुड़ी थी एवं होम्योपैथिक डॉक्टर थी उनकी अंत्येष्टि गुरुवार को सुबह संपन्न हुई उनकी शौक सभा मेंपूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, कनुलनाथ जिला भाजपा अध्यक्ष विवेक बंटी साहू एवं अन्य समाज सेवियों ने शोक व्यक्त किया है।

भोपाल। एनसीसी महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह, एवीएसएम, वीएसएम आज भोपाल स्थित एमपी गर्ल्स बटालियन में पहुंचे। यहां उनका स्वागत किया गया। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स को संबोधित भी किया।

मप्र में 10298 छात्र और 6999 बेरोजगारों ने की आत्महत्या: भूरिया

भोपाल। प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने आरोप लगाया है कि मप्र भाजपा सरकार ने सत्ता में आते ही प्रदेश के करोड़ों युवाओं के भविष्य की बोली लगाकर विश्व के सबसे व्यापक और वीभत्स व्यवसायिक परीक्षा मंडल के घोटाले को आकार दिया। प्रदेश में 10298 छात्र और 6999 बेरोजगारों ने की आत्महत्या की है और सरकार युवा नीति बनाने की बात कर रही है।

विक्रांत आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर प्रवक्ता केके मिश्रा भी मौजूद रहे। भूरिया ने कहा कि व्यापमं के बाद 13 से अधिक सरकारी नौकरी भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में 75 लाख से अधिक प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। पुलिस कांस्टेबल, खाद्य निरीक्षण चयन टेस्ट, सूबेदार उपनिरीक्षक व प्लाटून कमांडर, मिल्क फेडरेशन जैसी अनेक भर्ती परीक्षा में घोटाला किया गया। शर्मनाक तथ्य यह है कि व्यवसायिक परीक्षा मंडल ने न सिर्फ युवाओं के भविष्य को लूटा, अपितु बीते 10 साल में उसने इन बेरोजगार युवाओं से 1046 करोड़ रूपये फीस के रूप में वसूल कर 455 करोड़ रूपये का शुद्ध मनाफा भी कमाया। राज्य सरकार ने विधानसभा में जानकारी देते हुए बताया कि बीते सात वर्षों में उसने 106 विभिन्न प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं में 424 करोड़ 36 लाख रूपये 01 करोड़ 24 लाख आवेदकों से वसूली है। अब हाल ही में 10 वीं और 12 वीं की परीक्षाओं के पेपर लीक की सुर्खिंया भाजपाई सत्ता को शर्मसार कर रही है। हाल ही में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने विधानसभा में इस बात को स्वीकारा की प्रदेश के रोजगार कार्यालयों में रजिस्टर्ड 37 लाख 80 हजार 679 शिक्षित एवं 1 लाख 12 हजार 470 अशिक्षित बेरोजगार आवेदक रोजगार की बाट जोह रहे हैं और 01 अप्रैल 2020 से अब तक अर्थात बीते तीन वर्षों में मात्र 21 लोगों को शासकीय और अर्द्धशासकीय कार्यालयों में रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

हत्या, रिश्वत लेने, भ्रष्टाचार, अवैध वसूली, आय से अधिक सम्पत्ति की शिकायतों में उलझे डीईओ सहित 28 अफसर

भोपाल। राजधानी भोपाल के जिला शिक्षा अधिकारी नितिन सक्सेना, इंदौर के जिला शिक्षा अधिकारी मंगलेश व्यास, ग्वालियर के जिला शिक्षा अधिकारी विकास जोशी सहित प्रदेशभर के 28 पूर्व और वर्तमान जिला शिक्षा अधिकारी तथा जिला परियोजना समन्वयकों पर रिश्वत मांगने, भ्रष्टाचार,वित्तीय अनियमितताओं , अवैध वसूली, आय से अधिक सम्पत्ति होंने, हत्या जैसी शिकायतें लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू के पास पहुंची है। इन सभी मामलों में शिकायतों की जांच जारी है। विधायक हर्ष विजय गेहलोत के सवाल के लिखित जवाब में स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने यह जानकारी दी है।

मंत्री ने बताया कि पिछले दस वर्षों में विभाग में नियम विरुद्ध मान्यता, नियम विरुद्ध अनुकंपा नियुक्ति, रिश्वत मांगे जाने, भष्टाचार किए जाने, फर्जी जाति प्रमाणपत्र के आधार पर नियुक्ति एवं अनुपातहीन सम्पत्ति जैसी शिकायतें लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू तथा न्यायालय में विचाराधीन है।

कैसी-कैसी शिकायतें-

इन अफसरों पर रिश्वत मांगने अवैध वसूली के आरोप-

श्योपुर हरिओम चतुर्वेदी, इंदौर तत्कालीन डीईओ किशोर शिन्दे, रतलाम रामेश्वर चौहान, सीधी पारसनाथ शुक्ला, तत्कालीन प्रभारी संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर राममोहन तिवारी, अजय कटियार तत्कालीन डीईओ शिवपुरी।

नियम विरुद्ध मान्यता देने और भ्रष्टाचार की शिकायत-

मंदसौर के तत्कालीन डीईओ आरएल कारपेंटर, उमेश धुर्वे उमरिया, तत्कालीन डीईओ इंदौर एसएस कौशल,विकास जोशी डीईओ ग्वालियर।

हत्या,वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार की शिकायत-

नितिन सक्सेना जिला शिक्षा अधिकारी भोपाल, जेएसविल्सन तत्कालीन सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, टीकमगढ़ तत्कालीन डीईओ जीएस बरकड़े, मुरैना के तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष शर्मा पर हत्या और भ्रष्टाचार की शिकायत, संतोष शर्मा रिटायर्ड डीईओ छतरपुर वित्तीय अनियमितता, मंगललेश व्यास प्रभारी डीईओ इंदौर,पुरुषोत्तम पांडेय, तत्कालीन डीईओ कटनी।

फर्जी जाति प्रमाणपद्ध से नियुक्ति-

अमरचंद्र वर्मा प्रभारी डीईओ टीकमगढ़।

आय से अधिक सम्पत्ति और भष्टाचार-

अरुण कुमार इंग्ले होशंगाबाद, आरएन शुक्ल रिटायर्ड प्रभारी संयुक्त संचालक लोक शिक्षण सागर,अनिल कुमार वैद्य तत्कालीन डीईओ होशंगाबाद।

नियम विरुद्ध खरीदी

केके अग्रवाल तत्कालीन प्रभारी डीईओ आगरमालवा, केएम द्विवेदी तत्कालीन जिला परियोजना समन्वयक सिंगरौली पर केजीव्हीबी बालिका छात्रावास हेतु क्रय सामग्री में अनियमितता की शिकायत है।

नियम विरुद्ध अनुकंपा नियुक्ति-

आरके लटारे रिटार्य डीईओ बालाघाट।

सोशल मीडिया और फीस प्रतिपूर्ति में उलझे

समर सिंह राठौर तत्कालीन जिला परियोजना समन्वयक शिवपुरी पर आरटीई अंतर्गत अध्ययरत बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति को लेकर शिकायत है जबकि राजगढ के तत्कालीन जिला परियोजना समन्वयक विक्रम सिंह राठौर पर सोशल मीडिया पर वाइरल वीडियो को लेकर शिकायत की गई है।

चैतीचांद, गुड़ीपड़वा एवं नवरात्रि की बधाई

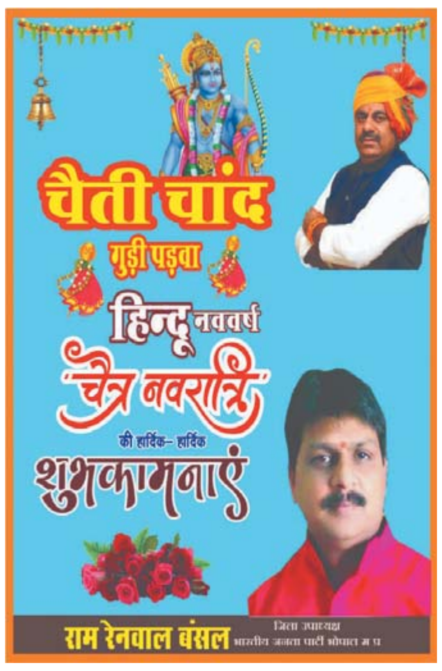
चैती चांद
गुड़ी पड़वा
हिन्दू नववर्ष
चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक- हार्दिक
शुभकामनाएं
राम रेनवाल बंसल
जिला उपाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी भोपाल म प्र

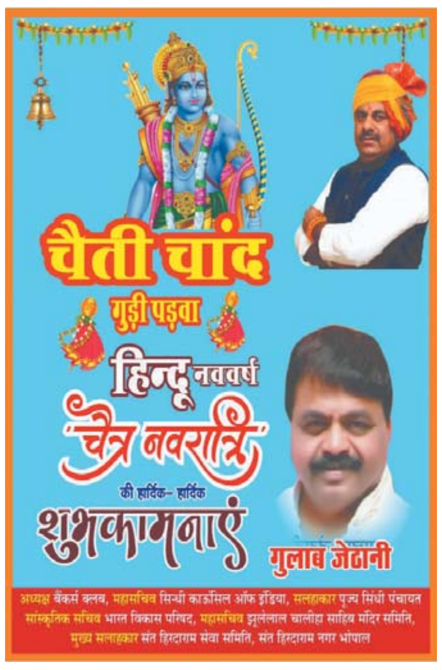
चैती चांद
गुड़ी पड़वा
हिन्दू नववर्ष
चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक- हार्दिक
शुभकामनाएं
गुलाब जेठानी
अध्यक्ष बैंकर्स क्लब, महासचिव सिन्धी काउंसिल ऑफ इंडिया, सलाहकार पूज्य सिंधी पंचायत
सांस्कृतिक सचिव भारत विकास परिषद, महासचिव झूलेलाल चालीहा साहिब मंदिर समिति,
मुख्य सलाहकार संत हिरदाराम सेवा समिति, संत हिरदाराम नगर भोपाल

चैटीचंड, नववर्ष एवं गुड़ीपड़वा
की हार्दिक शुभकामनाएं....
सुशील वासवानी
अध्यक्ष
बसंत चेलानी
सचिव
चन्दर नागदेव
कोषाध्यक्ष
संस्कार परिवार :- उपाध्यक्ष-सुरेश राजपाल, सहसचिव-नरेश वासवानी, लेखापरीक्षक-पुरूषोत्तम टिलवानी
कार्यकारणी सदस्य - नारायणदास लालवानी, राजकुमार झमटानी
के.टी.दादलानी, नानक पारवानी, गुलाब सेजवानी।
ISO 9001:2015 Certified Certificate No.: VSPQ2491242 Reg. No. 20314/88
Limited Seats
ADMISSION OPEN
For
PRE NURSERY & NURSERY
Registration Forms Available from
1^{ST} JANUARY 2023
Timing : 9.00 am to 1.00 pm
Deepmala Pagarani
SANSKAR PUBLIC SCHOOL
ISO 9001:2015 Certified School
Contact : 0755-2641620, 9893585384

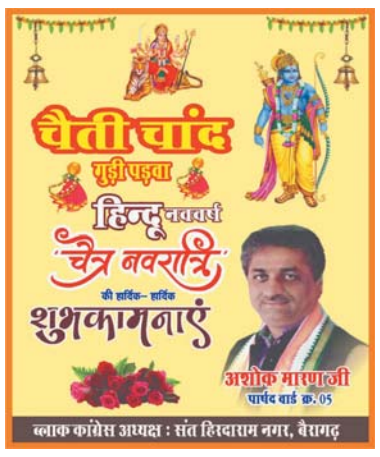
चैती चांद
गुड़ी पड़वा
हिन्दू नववर्ष
चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक- हार्दिक
शुभकामनाएं
अशोक मारण जी
पार्षद वार्ड क्र. 05
ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष : संत हिरदाराम नगर, बैरागढ़

चैती चांद
गुड़ी पड़वा
हिन्दू नववर्ष
चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक- हार्दिक
शुभकामनाएं
जगदीश यादव
ज्योति यादव
जोन अध्यक्ष 20 : संत हिरदाराम नगर, बैरागढ़

मा. कैलाश विजयवर्गीय
राष्ट्रीय महासचिव
मा. डॉ. मोहन यादव
उच्च शिक्षा मंत्री
मा. कुलदीप खरे
चैतीचांद
गुड़ीपड़वा
एवं नवरात्रि की
हार्दिक
शुभकामनाएं
विनय दादलानी
भाजपा नेता

॥ जय श्री झूलेलाल ॥
चेट्रीचण्ड
की हार्दिक शुभकामनाएं
सिंधी प्रीमियर लीग
नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट
क्रिकेट का महामुकाबला
रविवार 26 मार्च 2023
से 2 अप्रैल 2023 तक
समय - शाम 6 बजे से
स्थान - बॉबे आली स्टेडियम, भोपाल
— आयोजक —
सिंधु सेना
भोपाल
श्री आलोक शर्मा जी
राकेश कुकरेजा

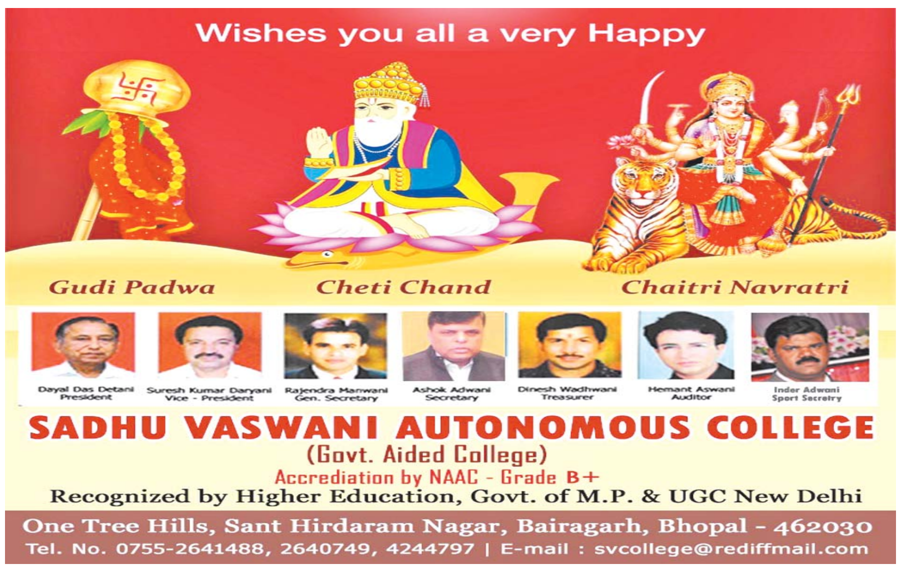
Wishes you all a very Happy
Gudi Padwa Cheti Chand Chaitri Navratri
Dayal Das Detani, President
Suresh Kumar Daryani, Vice - President
Rajendra Manwani, Gen. Secretary
Ashok Adwani, Secretary
Dinesh Wadhwani, Treasurer
Hemant Aswani, Auditor
Inder Adwani, Sport Secretry
SADHU VASWANI AUTONOMOUS COLLEGE
(Govt. Aided College)
Accrediation by NAAC - Grade B+
Recognized by Higher Education, Govt. of M.P. & UGC New Delhi
One Tree Hills, Sant Hirdaram Nagar, Bairagarh, Bhopal - 462030
Tel. No. 0755-2641488, 2640749, 4244797 | E-mail : svcollege@rediffmail.com

महानगर नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित
चैतीचाँद, नववर्ष एवं गुड़ीपड़वा
की हार्दिक शुभकामनाएं...
सुविधायें
• आवास ऋण • वाहन ऋण • अमानतों पर सर्वाधिक ब्याज दर • समस्त प्रकार के व्यवसायिक ऋण
• लॉकर सुविधा • केश/ चेक पिकअप • शीघ्र एवं त्वरित सेवा • पूर्णतः वातानुकूलित एवं कम्प्यूटराईज्ड बैंक
• बैंक की किसी भी शाखा से लेनदेन/व्यवहार की सुविधा (Core Banking) • गोल्ड लोन
मुख्य शाखा : संत हिरदाराम नगर, भोपाल, दूरभाष : 0755-4098000
करोंद शाखा : प्लॉट नं. 02, करोंद चौराहा, बायपास रोड, करोंद, भोपाल, दूरभाष : 0755-2741999
टी.टी. नगर शाखा : सहकार भवन, रंगमहल टॉकीज के सामने, नॉर्थ टी.टी. नगर, भोपाल, दूरभाष : 0755-3599238
प्रकाश आसूदानी
मुख्य कार्यपालक
आपकी समृद्धि... हमारा संकल्प...
सुशील वासवानी
अध्यक्ष
एवं पूर्व अध्यक्ष म.प्र. आवास संघ
(राज्यमंत्री दर्जा)

गुड़ी पड़वा/ चैतीचांद
पर्व की कामनाएं....
कमल वीधानी
अध्यक्ष भाजपा मंडल
संत हिरदाराम नगर
राजेश लालवानी (भाजपा नेता)

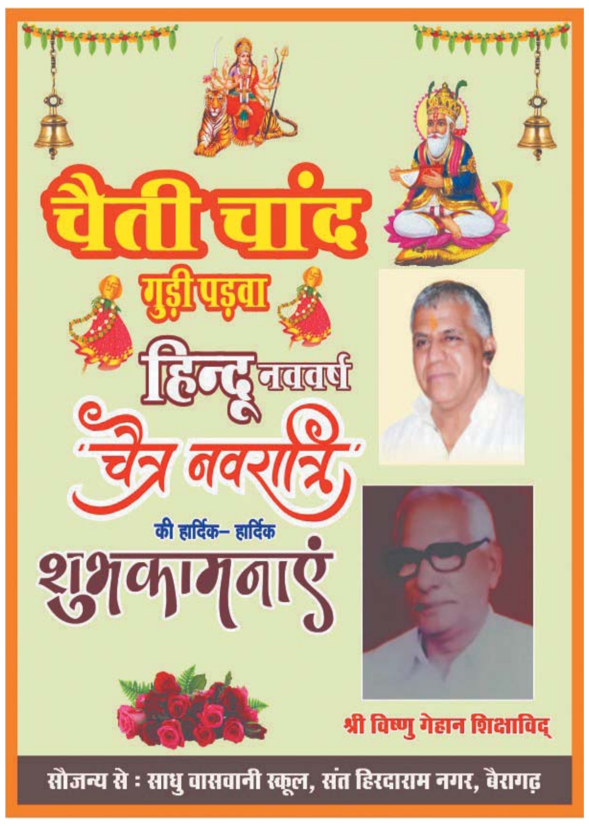
चैती चांद
गुड़ी पड़वा
हिन्दू नववर्ष
चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक- हार्दिक
शुभकामनाएं
श्री विष्णु गेहान शिक्षाविद्
सौजन्य से : साधु वासवानी स्कूल, संत हिरदाराम नगर, बैरागढ़

GOVT JOBS
सबधाणी कोचिंग इन्स्टीट्यूट
1972 से निरंतर
सी.ई.टी., बैंक, रेल्वे, व्यापमं, पुलिस, इंश्योरेन्स, एस.एस.सी., पी.एस.सी.
हिन्दू नववर्ष, गुड़ी पड़वा एवं चेतीचाँद
के अवसर पर
फीस में 4 अप्रैल तक
₹4-5 हजार की छूट
नया बैच
एस.एस.सी. 24 मार्च
रेलवे 28 मार्च
बैंक 31 मार्च
व्यापमं 04 अप्रैल
पुलिस 07 अप्रैल
सी.ई.टी. 11 अप्रैल
आनंद सबधाणी
डायरेक्टर
पी.एण्ड.टी. चौराहा: ए-71, रामायण कॉम्प्लेक्स, शास्त्री नगर, हनुमान मंदिर के पास, पी.एण्ड टी. चौराहा, भोपाल 0755-2665306
लालघाटी: होम एक्सप्रेस एवं सर्वोत्तम हॉस्पिटल के ऊपर, गुफा मंदिर के सामने सुल्तानिया मिलेट्री रोड, लालघाटी, भोपाल 0755-4222306
गोविंदपुरा: बिग विंग्स, होंडा शोरूम के ऊपर, रायसेन मेन रोड, अशोका गार्डन, भोपाल 0755-4220306
एम.पी.नगर: द्वितीय तल, 114, श्री टॉवर, सिटी हॉस्पिटल, स्टेट बैंक के पास, जोन-II, एम.पी.नगर, भोपाल 0755-4223306
गुलमोहर: जी-2/206, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ऊपर, गुलमोहर कॉलोनी, सिवॉय कॉम्प्लेक्स के सामने, ई-8, अरेरा कॉलोनी, भोपाल 0755-4228306
Follow us on : Sabdhani Coaching
9826393891 Website : www.sabdhanicoaching.co.in

॥ जय श्री झूलेलाल ॥ ॥ जय साईं हिरदाराम जी ॥
चेट्रीचण्ड महोत्सव
सिंधी भाषा डींह जे अवसर ते
"झूलण जो मेलो"
अंतर्राष्ट्रीय सिंधी हास्य कलाकार परमानंद प्यासी जी (बड़ोदा गुजरात) द्वारा
मशहूर कलाकार जूनियर अमिताभ बच्चन
एक शाम सिंधीयत के नाम
कशिश तलरेजा
डींह : बुधरु 05 अप्रैल 2023
वक्त : शाम जो 7 वगे
जगहि : साईं सेलिब्रेशन गार्डन
शिखर पैलेस जे पूठिया
संत हिरदाराम नगर, भोपाल
आप सभी सादर आमंत्रित है
51 भगवान श्री झूलेलाल जी मूर्ती
फूड स्टॉल
रंग बिरंगी आतिशबाजी
सिंधी नाटक का मंचन
परमानंद प्यासी
अंतर्राष्ट्रीय सिंधी हास्य कलाकार
बड़ोदा (गुजरात)
जगदीश आसवानी
कार्यक्रम संयोजक
एवं प्रदेश उपाध्यक्ष अ.भा. सिंधी समाज, म.प्र.
निवेदक : पूज्य सिंधी पंचायत ऐं अखिल भारतीय सिंधी समाज, बोरवन क्लब
बैरागढ़ दाल ऑयल एण्ड ग्रेन मर्चेन्ट ऐं जगदीश आसवानी मित्र मंडल संत हिरदाराम नगर, भोपाल

चैतीचांद, गुड़ीपड़वा
एवं नवरात्रि की
हार्दिक शुभकामनाएं
प्रवीण प्रेमचंदानी
जिला मंत्री भाजपा

चैतीचांद, गुड़ीपड़वा
एवं नवरात्रि की
हार्दिक शुभकामनाएं
मा. रामेश्वर शर्मा
विधायक
पं. चन्द्रशेखर तिवारी
विधायक प्रतिनिधि हुजूर वार्ड 2
मंडल महामंत्री गांधी नगर, भाजपा

SHIM
Get more than just a Degree
CELEBRATING 11 YEARS OF EMPOWERING WOMEN
After 12th Class
MBA
INTEGRATED
After Graduation
MBA
Dual Specialization
Empowering Women Empowering Nation
Soft Skill Training | Practical Learning | Free Bus Facility | Hostel Facility
SANT HIRDARAM INSTITUTE OF MANAGEMENT
Lake Road, Sant Hirdaram Nagar (Bairagarh), Bhopal (M.P.)
Admission Helpline: Prof. Kapil Sachdev- 9424439012 Dr. Komal Taneja- 9302727572

Blessings & Inspiration : Paramhans Sant Hirdaram Sahibji Guidance & Motivation : Shraddhey Siddh Bhauji
गुड़ीपड़वा एवं चैतीचाँद की हार्दिक शुभकामनाएँ!
SHAHEED HEMU KALANI EDUCATIONAL SOCIETY
SANT HIRDARAM NAGAR, BHOPAL - 462030 (M.P.) India
running
CHILDREN'S HOPE INDIA GIRLS SCHOOL
ISO Certified & Recognized by Govt. of Madhya Pradesh
Tagore Ward, Gandhi Nagar, Bhopal
Std. VI to XII
visit ▸ www.chigsbhopal.com
Contact : 0755-4922286, 8962214798
ADMISSIONS OPEN
VIDYASAGAR PUBLIC SCHOOL
ISO Certified Pre-primary Co-ed School
Contact :- 0755-2641688, 7611177720
ONLINE ADMISSION FORMS AVAILABLE THROUGH SCHOOL WEBSITE www.vpsbhopal.com
Note : Submit downloaded form with documents from 9:00 am to 1:00 pm at school
ADMISSIONS OPEN Pre-Nursery to KG-I
KEWALRAM CHANRAI PUBLIC SCHOOL Karond, Bhopal
ISO Certified & Recognised by Govt. of M.P.
Contact :- 0755-3524160
ADMISSIONS OPEN
English Medium Nursery to VIII
SANT HIRDARAM GIRLS COLLEGE
Approved by Govt. of M.P. & NCTE, New Delhi | Affiliated to Barkatullah University, Bhopal
Contact :- 9827475723, 8602791981 visit ▸ www.shgc.in
ADMISSIONS OPEN
SANT HIRDARAM MEDICAL COLLEGE OF NATUROPATHY & YOGIC SCIENCES FOR WOMEN
Recognized by Govt. of M.P. & Affiliated to Barkatullah University, Bhopal
Contact :- 0755-4283545 visit ▸ www.shmcnys.in
MITHI GOBINDRAM PUBLIC SCHOOL
CBSE Affiliated & ISO Certified Sr. Sec. Boys School
Contact :- 0755-4074769 visit ▸ www.mithipublicschool.com
NAVNIDH HASSOMAL LAKHANI PUBLIC SCHOOL
CBSE Affiliated & ISO Certified Sr. Sec. Girls School
Contact :- 0755-4244773 visit ▸ www.navnidhbhopal.com

ब्रह्मलीन संत
हिरदाराम साहिबजी (पुष्कर राज)
परम श्रद्धेय
संत सिद्ध भाऊजी
चेती चाँद, चैत्र नवरात्री
गुड़ी पड़वा (हिन्दू नवर्ष)
की हार्दिक शुभकामनाएं
लक्ष्मीदेवी विक्योमल सर्राफ
एजुकेशनल सोसायटी
टैगोर वार्ड, गांधीनगर, भोपाल (म.प्र.)
रमेश हिंगोरानी
(सचिव)
योगेश हिंगोरानी
संचालक
ADMISSIONS OPEN
Gandhi Nagar's No. 1 Group of Schools
L.V.S. GROUP OF SCHOOLS
(Affiliated to M. P. Board)
Hurry Up Limited Seats
Pre-Nursery to 12th
(English Medium)
Tagore Ward, Gandhi Nagar, Bhopal (M.P.)

भाजपा सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने पर पत्रकारवार्ता संपन्न

धार - प्रदेश के विकास को बीते तीन वर्षों में पुनः गति मिली है। बीच के कालखंड में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार के आने से अवरुद हुई विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं व कार्यों को पुनः तेजी से क्रियान्वयन किया जा रहा है। कांग्रेस के समय हितग्राही तक एक रुपए में से सिर्फ 15 पैसे ही पहुंचते थे, जबकि अब केंद्र व राज्य में भाजपा की सरकार होने से हितग्राही के खाते में 100 प्रतिशत राशि पहुंचती है। हाल ही में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना 23 से 60 साल की उम्र की महिलाओं के लिए शुरू की गई आर्थिक संबल बनेगी। लाडली बहना के खाते में प्रतिमाह एक हजार रुपए डाले जाएंगे। 17 वे प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के आयोजन का सौभाग्य मध्यप्रदेश को मिला 3 दिन के लिए पूरी दुनिया का घर इंदौर बना वही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट फ्यूचरेडी मध्य प्रदेश की टीम पर हुआ जिसमें 84 देशों के डेलिगेट्स ने भाग लिया माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत को मिला है जी-20 समूह की अध्यक्षता का अवसर मिला प्रदेश में हो रही जी-20 की बैठक को के आयोजन से विश्व भर में प्रदेश की छवि उज्जवल हुई है।

हिंदू नव संवत्सर चैत्र नवरात्रि की क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देने सड़कों पर निकले पुष्पेंद्र प्रताप सिंह

छतरपुर। यूं तो हम सभी हर साल 1 जनवरी को नए साल का वेलकम धूमधाम से करते हैं, लेकिन हमारे प्राचीन हिंदू नव वर्ष यानि विक्रम संवत का स्?वागत कम ही लोग करते हैं। इसी बीच भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रताप सिंह ने सड़कों पर ढोल नगाड़ों के साथ लोगों को रोली लगाकर हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं देने उन्होंने बताया कि 22 मार्च 2023 को चैत्र नवरात्रि से हिंदू नव वर्ष का प्रारंभ हो रहा है उन्होंने अपने क्षेत्रीय एवं शहरी लोगों को नव संवत्सर चैत्र नवरात्रि बा गुड़ी पड़वा की शुभकामनाएं दी और कहा कि यह नव वर्ष सभी के जीवन में सुख शांति व सौभाग्य लाए, चैत नवरात्र का यह पर माता रानी की कृपा से सभी विधानसभा वासियों की मनोकामनाएं पूरी हो और माता रानी सभी को स्वस्थ सुख एवं समृद्धि प्रदान करें इस मौके पर पुष्पेंद्र प्रताप सिंह के साथ सड़कों पर सुरेंद्र सिंह तोमर, आशीष कर्ण, अस्वनि मिश्रा,राजा शर्मा, अन्नू तिवारी,प्रदीप साहू, रज्जन परमार,विक्की यादव, सुदेश दीक्षित, रवि पटेल समित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

असंख्य शिवलिंग निर्माण रूद्राभिषेक एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कल से

छतरपुर। शहर के पंडित देवप्रभाकर शास्त्री इंजीनियरिंग कॉलेज में 24 मार्च से होने जा रहे शिव परिवार, मां सरस्वती एवं गृहस्थ संत श्री दद्दाजी, गुरूमाता छोटी जिज्जी की प्रतिमाओं के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं।वीरांगना अवंतीबाई ग्रुप ऑफ एजुकेशन के डायरेक्टर अशोक दीक्षित ने बताया कि 24 मार्च को पंचांग पूजन, जलाधिवास, मंडप स्थापना, 25 मार्च को शनिवार को देवपूजन, अन्नाधिवास एवं 26 मार्च को शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा, गुरूमाता छोटी जिज्जी एवं पूज्य गुरूदेव गृहस्थ संत पंडित देवप्रभाकर शास्त्री दद्दाजी की मूर्ति की स्थापना विधिविधान से की जाएगी। श्री दीक्षित के अनुसार इंजीनियरिंग कॉलेज के केम्पस में आकर्षक और भव्य मंदिर का निर्माण किया गया है जिसमें शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके साथ ही कॉलेज के अंदर बीच अहाते में माता सरस्वती, गृहस्थ संत दद्दाजी एवं छोटी जिज्जी की प्रतिमाओं को गृहस्थ संत डॉ. अनिल शास्त्री बड़े भैया के सानिध्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ स्थापित किया जाएगा।

श्रीराम जन्मोत्सव पर निकलेगी विशाल मोटरसायकल यात्रा

रैली में रामायण सीरियल के लक्ष्मण होंगे शामिल, भगवा तोरण, झंडों से सज रहा शहर, हिन्दु उत्सव समीति की तैयारी जोरों पर

हिन्दु उत्सव समिति छिन्दवाड़ा

छिंदवाड़ा । श्रीराम जन्मोत्सव पर शहर में विशाल मोटर सायकल वाहन रैली एवं रथयात्रा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। वाहन रैली 30 मार्च को दोपहर 12 बजे से श्री दादा जी धुनीवाले मंदिर चारफाटक से प्रारंभ हो कर शहर भ्रमण पश्चात दशहरा मैदान में सुंदरकांड, महाआरती एवं प्रसाद वितरण के बाद समापन होगा हिन्दु उत्सव समीति के अध्यक्ष हरिओम सोनी के अलावा उत्सव समीति से जुड़े भाजपा कांग्रेस के नेताओं ने पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। श्री रामनवमी के पर्व पर हिंदू उत्सव समीति द्वारा शहर को भगवा तोरण, पताका एवं झंडों से सजाया जा रहा है। और शहर के प्रत्येक घर पर भगवा ध्वज लगाने का लक्ष्य रखा गया है शहर के प्रमुख मार्गो पर आकर्षक आकर्षक विद्युत रोशनी से सजावट की जावेगी और स्वागत द्वार लगाए जाएंगे शहार के समस्त होडिंग्स पर रामायण के प्रसंगों पर आधारित होर्डिंग पोस्टर लगाए जाएंगे। पत्रकार वार्ता में विश्वनाथ ओक्टे, चौधरी चन्द्रभान, गंगातिवारी, नागेन्द्र ब्रम्हचारी, दौलत सिंह ठाकुर, आनंद बक्सी,शिवमालवी, सुरेश अग्रवाल, कांता योगेश सदारंग, महापौर विक्रम अहके, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुन्हार, धर्मेन्द्र मिगलानी, संतोष तिवारी, आशीष त्रिपाठी, अनिल गोयल, दीनदयाल मोहन, इन्द्रजीत बैस, संतोष राय, अभिलाष गोहर सहित उत्सव समीति से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित थे।

धारावाहिक रामायण के लक्ष्मण सुनील लहरी आएंगे

हिन्दु उत्सव समीति के संतोष राय ने बताया कि इस बार श्रीराम जन्मोत्सव पर रैली में मुख्य आकर्षण का केन्द्र रामायण सीरियल में लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले सुनील लहरी रहेंगे श्रीराम जन्मोत्सव भव्य रूप में मनाया जाएगा।

लोहे के पाइप में झंडा लगाना प्रतिबंधित

वाहन रैली में लोहे के पाईप में झंडा लगाना प्रतिबंधित रहेगा। शहर में बिछे विद्युत के तारों से दुर्घटना हुई है। जिसको देखते हुए हिन्दु उत्सव समीति ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया है। रैली में हिंदू उत्सव समीति द्वारा निर्धारित नारे ही लगाए जाएंगे।

रैली का नेतृत्व मातृशक्ति करेंगी

मोटरसायकिल और वाहन रैली का नेतृत्व मातृशक्ति द्वारा किया जाएगा मातृशक्ति इस आयोजन में ड्रेस कोड ऑरेंज साड़ी या परिधान के साथ उपस्थित रहेंगी रैली में शामिल होने के लिए पातालेश्वर, मोक्षधाम की तरफ से दादा धूनीवाले मंदिर पहुंचना होगा।

शहर के मठ मंदिर सजेंगे आतिशबाजी होगी

वाहन रैली के अलावा शहर को भक्तीमय बनाने के लिए मठ मंदिरों को सजाया जाएगा, मंदिरों में प्रसाद एवं आतिशबाजी एवं भगवान श्रीराम दरबार की लैमिनेटेड फोटो वितरित की जाएगी। वाहन रैली के संचालन के लिए स्वयंसेवकों द्वारा व्यवस्थ बनाई जाएगी जिसका पालन प्रत्येक भक्तों को करना होगा।

आज का मीडिया केवल स्थानीय स्तर पर सीमित न रहते हुए विश्वव्यापी हो चुका: लोकेंद्र पराशर

25 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के महाविजय उद्घोष जनसभा की तैयारियों का जायजा लेने छिंदवाड़ा पहुंचे प्रदेश मीडिया

छिंदवाड़ा । भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सभा स्थल की तैयारियों का जायजा लेने छिंदवाड़ा पहुंचे। छिंदवाड़ा पहुंचकर श्री पाराशर ने सर्वप्रथम महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।इसके पूर्व स्थानीय कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।तत्पश्चात श्री पाराशर ने नगर शक्ति पीठ श्री बड़ी माता मंदिर छोटी बाजार पहुंचकर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सभा स्थल का लिया जायजा

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी सभा स्थल स्थानीय पुलिस ग्राउंड पहुंचे जहां उन्होंने भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू के साथ आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं को देखा। सभा स्थल पर श्री पाराशर ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों से चर्चा की।

पत्रकारों से की चर्चा

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर द्वारा अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट में स्थानीय पत्रकारों के साथ मुलाकात की और आपसी चर्चा की। उन्होंने पत्रकारों से छिंदवाड़ा के बारे में जानकारी ली साथ ही पत्रकारों को काम में आने वाली परेशानियों पर भी विस्तार से चर्चा की। इस चर्चा के दौरान पत्रकारों ने छिंदवाड़ा में पत्रकार कालोनी निर्माण पर ध्यान आकर्षित करवाया, जिस पर उन्होंने जानकारी आगे पहुंचाकर चर्चा करने का आश्वासन दिया।

भाजपा कार्यालय में मीडिया प्रभारियों से की चर्चा

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर अपने छिंदवाड़ा प्रवास के दौरान भाजपा कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने छिंदवाड़ा में 25 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के महाविजय उद्घोष जनसभा की तैयारियों की दृष्टि से पार्टी की मीडिया टीम से विस्तृत चर्चा की। चर्चा के दौरान श्री पाराशर द्वारा मीडिया के कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि जनसंचार का सर्वाधिक तेज माध्यम मीडिया है। आज का मीडिया केवल स्थानीय स्तर पर सीमित ना रहते हुए विश्व व्यापी हो चुका है। जो समाचार छिंदवाड़ा में प्रसारित होता है वो अब छिंदवाड़ा में सीमित ना रहते हुए उसी दिन प्रदेश, देश बल्कि पूरे विश्व में प्रसारित हो जाता है। मीडिया की अब अत्याधिक अहम भूमिका हो गई है। उन्होंने सभी मंडल एवं मोर्चों के मीडिया प्रभारियों को उनके काम में दक्षता लाने के अहम बिंदुओं से अवगत कराया।इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी प्रशांत तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी संदीप सिंह चौहान, जिला सह मीडिया प्रभारी विक्रम सोनी,जिला अनुसूचित जाति मोर्चा के मीडिया प्रभारी निहाल गोदरे,अभिषेक राय,राहुल उइके,सोनल डेहरिया, राजकुमार ढोलेकर, अफरोज खान,दुर्गेश नरोटे, समीर दुबे, सहित मंडल एवं मोर्चों के मीडिया प्रभारी उपस्थित रहे।

15 हज़ार मोटर साइकिल से युवा आएँगे गृहमंत्री अमित शाह के स्वागत के लिए

छिंदवाड़ा । भारतीय जनता युवामोर्चा ज़िला अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप राणा ने बताया की देश के गृह व सहकारिता मंत्री .अमित शाह के छिन्दवाड़ा आगमन पर युवामोर्चा अपने हर मंडल से बाईक रैली निकालकर छिन्दवाड़ा पहुचेंगे जहाँ युवामोर्चा के स्वागत स्थान खँजरी चौक रानी दुर्गावती स्मारक के सामने .अमित शाह का युवामोर्चा के हज़ारो कार्यकर्ता एकत्रित होकर एक साथ स्वागत करेंगे साथ ही सभा में पहुचेंगे,युवामोर्चा के इस बड़े कार्यक्रम को लेकर प्रदेश युवामोर्चा प्रभारी व राज्य सभा सांसद कविता पाटीदार व प्रदेश युवामोर्चा अध्यक्ष .वैभव पवार ने छिन्दवाड़ा में युवामोर्चा पदाधिकारियो की बैठक ली, व कार्यक्रम की तैय्यारीयो के लिए प्रदेश युवामोर्चा के 3 उपाध्यक्ष व 4 मंत्रीयो को छिन्दवाड़ा की अलग अलग विधानसभा का प्रभारी नियुक्त किया जिसमें अमरवाडा विधानसभा राम पटेल प्रदेश उपाध्यक्ष,जुन्नारदेव विधानसभा विवेक चौहान प्रदेश उपाध्यक्ष,छिन्दवाड़ा विधानसभा गंगा पांडे प्रदेश उपाध्यक्ष,परासिया विधानसभा हरीश यादव प्रदेश मंत्री, अमय आप्टे चौरई विधानसभा, प्रांसु राणे प्रदेश मंत्री पाँढुर्णा विधानसभा, दीपक बैरागी प्रदेश मंत्री सौसर व व्यवस्था प्रभारी प्रदेश आईटी सह संयोजक शुभम शिव चौरसिया विधानसभा में लगातार मंडलो व शक्ति केंद्रो में युवामोर्चा की बैठक व तैय्यारिया कर रहे है। बैठक में योगेंद्र प्रताप राणा, कुबेर सूर्यवंशी, मीडिया प्रभारी सचिन चौरसिया, अंकित जैन, विष्णु पाल, अंकुश मेहरा, व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

छिदंवाड़ा ।भाजपा कार्यकर्ता गृहमंत्री अमित शाह के आने का निमंत्रण घर-घर बांट रहे हैं।

राज्य स्तरीय बॉडी बिल्डिंग में तौसीफ खान ने जीता स्वर्णपदक

छिन्दवाड़ा । हॉल ही में म.प्र.राज्य स्तरीय बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशीप 18 मार्च को इंदौर में म.प्र.बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के द्वारा आयोजित की गयी। जिसमें छिन्दवाड़ा जिले की टीम ने भाग लिया। टीम के कोच व छिन्दवाड़ा बॉडी बिल्डिंग संघ के सचिव राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने बताया इस प्रतियोगिता में छिन्दवाड़ा के तौसीफ खान ने अपने वर्ग में म.प्र.का स्वर्णपदकअर्जित कर जिले का गौरव बढ़ाया। अमन साहू ने अच्छा प्रदर्शन कर म.प्र.में पांचवा स्थान अर्जित किया। ये खिलाड़ी सर्वोत्तम हेल्थ क्लब स्टेडियम ग्राउण्ड में राजेन्द्र सिंह ठाकुर से प्रशिक्षण प्राप्त करते है। जिला बॉडी बिल्डिंग संघ के अध्यक्ष पूर्व विधायक चैधरी गंभीर सिंह ,अनिल सक्सेना ,नंदू पराड़कर ,अनिल सिंघई ,डॉ. सर्वोत्त्म सिंह ठाकुर ,दुबेलाल ,निरपत सिंह ठाकुर ,संजय चाटे आदि ने बधाई दी।

राम कथा जन्मों के पाप को नष्ट करती है :युवराज स्वामी

इटारसी। नर्मदांचल की आस्था के प्रमुख केंद्र श्री द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर परिसर में सनातन धर्म के पवित्र चैत्र नवरात्रि पर्व के अंतर्गत 60 वें वर्ष में श्री राम जन्म महोत्सव का श गुड़ी पड़वा एवं चैत्र प्रतिपदा के दिन शुभारंभ हुआ। इस नो दिवसीय महाआयोजन की शुरुआत बुधवार सुबह मंदिर प्रांगण में श्री रामचरितमानस की स्थापना से हुई। इस अवसर पर पंडित गिरीश शर्मा के द्वारा यजमान अर्पण माहेश्वरी, विपिन चांडक, नितिन अग्रवाल से सपत्नीक श्री रामायण जी की स्थापना, व्यास गादी का पूजन, अखंड ज्योति की स्थापना करवायी गयी। दोपहर में पंडित मुरारी लाल तिवारी एवं पंडित आकाश शर्मा ने सत्संग भवन में चलने वाले नो दिवसीय नव्हां न परायण हेतु पूजन कराकर पाठ प्रारंभ कराया।सायंकाल 7 बजे से श्री राम कथा प्रारंभ हुई।अंतरराष्ट्रीय कथा व्यास श्री श्री 1008 युवराज स्वामी रामकृष्णाचार्य महाराज के मुखारबिंद से श्री रामकथा का श्रवण कराया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 60 वर्ष के श्रीरामजन्म महोत्सव के इतिहास में पहली बार बाल्मीकि रामायण के आधार पर इस वर्ष की रामकथा की जा रही है। प्रथम दिवस की कथा में व्यासपीठ से महाराज श्री ने रामायण का महत्व बताते हुए कहा कि सौदास नामक ब्राह्मण की शिवजी के श्राप से मुक्ति हो गई। अतः रामायण जन्म जन्मांतरो की पाप राशि को नष्ट कर जीवात्मा को शुद्ध कर देती है।

रामायण का निर्माण महर्षि बाल्मीकि के द्वारा किया गया। वही उसका प्रचार किस प्रकार हो जब यह चिंता हुई तो तभी कुश और लव सामने दिखाई दिए। बाल्मीकि जी ने उन्हें रामायण पर पाठ पढ़ा कर उसके मान की आज्ञा दी। देवऋषि नारद द्वारा ऋषि बाल्मीकि को रामायण उपदेश दिया गया था। बाल्मीकि द्वारा चौबीस हजार श्लोकों में उसकी व्याख्या की गयी। कथा को विस्तार देते हुए कथा व्यास ने कहा कि यह वाल्मीकि रामायण गायत्री मंत्र का विस्तार है। कथा के अगले भाग में महाराज दशरथ के द्वारा शासित अयोध्या नगरी का वर्णन करते हुए कथाव्यास ने भगवान श्री रामचंद्र जी के जन्म की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि भगवान का राम अवतार राक्षसी प्रवृत्तियों के विनाश और जनमानस के तारणहार के रूप में हुआ। महाराज श्री ने प्रथम दिवस श्री बाल्मीकि रामायण के कई प्रसंगों के आधार पर कथा सुनाई। इस अवसर पर संगीतकार सुनील साहू बांसुरी,संजू अवस्थी तबला, मिथिलेश त्रिपाठी बेंजो पर एवं ललिता ठाकुर ने सुमधुर भजन प्रस्तुत किये। प्रथम दिवस की कथा में श्री रामजन्म महोत्सव समिति के मुख्य संरक्षक क्षेत्रीय विधायक डॉ सीतासरन शर्मा, श्रीमती कल्पना शर्मा, संरक्षक प्रमोद पगारे, अध्यक्ष सतीश अग्रवाल सांवरिया, कार्यकारी अध्यक्ष जसवीर सिंह छाबड़ा, सचिव अशोक शर्मा (एडवोकेट), कोषाध्यक्ष प्रकाश मिश्रा, सह कोषाध्यक्ष अमित सेठ दरबार, विपिन चांडक, नितिन अग्रवाल अर्पण माहेश्वरी ,सतीश बांगड़,सहित मंदिर समिति के पदाधिकारी, सदस्यगण उपस्थित रहे। कथा के प्रथम दिवस पर मंदिर प्राँगण में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण करने उपस्थित हो रहे हैं।

आकर्षक रूप से सजाया गया मंदिर प्रांगण

श्री राम जन्म महोत्सव समिति के प्रवक्ता भूपेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि चैत्र नवरात्रि एवं श्री रामजन्म महोत्सव कार्यक्रम के चलते संपूर्ण मंदिर परिसर में आकर्षक साज सज्जा एवं विद्युत व्यवस्था की गयी है। मंदिर परिसर के आसपास के सभी मार्गो पर भी सनातनी ध्वज, भगवा झंडियो और सीरीज लाइट से सजावट की गयी है। प्रतिदिन सायंकाल 7 बजे से 10 बजे तक श्री रामकथा होगी, जिसमें समिति ने अधिक से अधिक धर्मप्रेमी जनता से शामिल होने का आग्रह किया है।

इटारसी। विश्व वानिकी दिवस के उपलक्ष पर समर्पण ग्रुप द्वारा याद स्थित शीतला माता मंदिर पर सफाई अभियान एवं वृक्षारोपण का कार्य किया गया। ग्रुप के संस्थापक सदस्य संदीप तिवारी ने बताया कि हमारा ग्रुप निरंतर समाज सेवा में कार्य कर रहा है, संस्थापक सदस्य विनोद कदम ने बताया कि समर्पण ग्रुप का मुख्य ध्येय एक पहल सेवा की ओर है और इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए ग्रुप के सदस्य सक्रियता से कार्य कर रहे हैं ग्रुप के संस्थापक सदस्य शिवम मेहरा ने कहा कि हमारे ग्रुप में निरंतर नए कार्यकर्ता जुड़ रहे हैं। यदि कोई समाज सेवा में कार्य करना चाहता है तो उसका हमारे ग्रुप में स्वागत है। वृक्षारोपण के कार्यक्रम में पशुपतिनाथ धाम समिति के संस्थापक मेहरबान सिंह चौहान शीतला माता मंदिर के पुजारी रमेश दुबे तथा समर्पण ग्रुप के संस्थापक आशीष भदौरिया, संस्थापक सदस्य पप्पू भगवानदास पटेल , संस्थापक सदस्य अंकित राठौर, सदस्य संदेश सराठे, सदस्य दीपक सेनानी, सदस्य दीपक, सदस्य अनिल नायक, सदस्य विनोद तिलोतिया, सदस्य राजेंद्र दमाडे, सदस्य रॉकी आदि उपस्थित

बलिदान दिवस पर धार में स्थापित होगी क्रांतिवीर भगत सिंह-सुखदेव-राजगुरु की प्रतिमा

धार। देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर बलिदानी, भारत माता के वीर सपूतो के सम्मान और राष्ट्रीय स्वाभिमान हेतु बलिदान दिवस 23 मार्च को शहीद क्रांति मशाल यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। नगर में निकलने वाली क्रांति मशाल यात्रा 22 वर्ष पूर्ण कर 23 वें वर्ष में प्रवेश करेंगी 23 वर्ष की अल्प आयु में और 23 तारीख को अमर शहीद भगत सिंह ने देश के लिए बलिदान दिया था। इस 23 वें वर्ष को ऐतिहासिक बनाने के लिए इस बार बड़े स्तर पर तैयारी की गई हैं। मशाल यात्रा आयोजक एवं भाजपा जिला अध्यक्ष राजीव यादव ने बताया कि इस वर्ष यह यात्रा गुरुवार शाम 6 बजे मोतीबाग चौक परिसर से प्रारंभ होकर गाछावाड़ी, पौ चौपाटी, राजवाड़ा ,आनंद चौपाटी, जवाहर मार्ग, उटावद दरवाजा ,मोहन टॉकीज, उदाजीराव चौपाटी होते हुए शहीद स्मारक वाणी टीवीएस पर पहुंचेगी।

सौभाग्य और दुर्लभ अवसर है कि इस वर्ष आप और हम सभी मिलकर वाणी टीवीएस के सामने अमर शहीद भगत सिंह जी, शिवराम राजगुरुजी और सुखदेव जी थापर की मूर्तियों का अनावरण होगा । समारोह की अद्वितीय, अनुपम ,अप्रतिम, अभूतपूर्व, विशेषता यह होगी कि सुखदेवजी के वंशज श्री विशालजी नैयर और राजगुरुजी के वंशज श्री सिद्धेश राजगुरुजी जलियावाला बाग से मिट्टी लेकर पहुंचेंगे और मूर्ति का अनावरण कर गरिमामय सानिध्य भी प्राप्त होगा। हर घर से अफजल निकलेगा कि राष्ट्र विरोधी मानसिकता को समाप्त करने और हर घर से भगतसिंह निकलेगा के संकल्प के साथ और जालियांवाला बाग की ऐतिहासिक मिट्टी को नमन करने के लिए आपको अपने साथ एक मिट्टी का दीपक इन शहीदों के सम्मान में अवश्य लेकर आना है । आप सभी युवा साथियों, माताओं, बहनों, बंधुओं से सादर निवेदन है कि शहीद क्रांति मशाल यात्रा में 23 मार्च, गुरुवार शाम 6 बजे मोतीबाग चौक से सम्मिलित हो । शाम 7 बजे शहीद भगतसिंह चौराहा, वाणी टीवीएस इंदौर रोड़ पर आयोजित मूर्ति अनावरण समारोह में एक मिट्टी का दीपक लेकर अवश्य सहभागी बने। अपने घर ,प्रतिष्ठान, सामाजिक संगठन, समिति ,एसोसिएशन आदि की ओर से स्वागत मंच एवं स्वागत द्वार लगाकर यात्रा का भव्य स्वागत करें । पत्रकारों से चर्चा के दौरान भाजपा जिला महामंत्री सन्नी रिन, नगर पालिका उपाध्यक्ष मयंक महाले, मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर, आशीष गोयल, मीडिया प्रभारी संजय शर्मा,ईश्वर जाट, राजेश मुवेल उपस्थित थे।

नगर में सुलभ शौचालय के अतिक्रमण में परिषद को पसीना क्यों झलक रहा , अतिक्रमण की चपेट में हिंगलाज चौराहा

विनोद साहू बाड़ी । शहर में बैसे तो भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार के साथ ही काँग्रेस का भी पूर्ण सर्मथन होने से न अध्यक्ष का चुनाव हुआँ और न उपाध्यक्ष का जबकि काँग्रेस के पाँच पार्षद और भाजपा के दस पार्षद पंद्रह पार्षदिए परिषद में।

भाजपा से सरदार जोधासिंह अटवाल सीधे मुकाबले में 2009 में चुने गए और उनके कार्यकाल में शहर ने चहुंमुखी विकास की ईबादत लिखी गई। उन्होंने व्यक्तिगत लाभ देने के बजाए जनहित में कठोर से कठोर निर्णय लिए जिसमें तय बाजारी बस अड्डे की नीलामी की जिससे नगर परिषद को एक मुश्त आये होने लगी। उनके कार्यकाल में शहर के बस स्टैंड पर पान के टप और हाथठेले गायब हो गये। जिससे लोगों को सुगम यातायात की सुबिधा मिली।

2004 का चुनाव हारने के बावजूद हुआँ अतिक्रमण साफ चिंतामन चौराहे से हिंगलाज मंदिर जाने के लिए एक कार भी बामुश्किल जा पाती थी इसके लिए बस स्टैंड व अस्पताल परिसर का अतिक्रमण हटाया जिसमें पचास साल से रह रहे परिवारों को बेघर होना पड़ा ,तत्कालीन सरकार में मुख्यमंत्री उमा भारती क्षेत्रीय सांसद वर्तमान में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और क्षेत्रीय विधायक राजेश पटेल थे। लेकिन शहर के और छोर से अवैध अतिक्रमण में कोई भेदभाव नहीं किया गया और वस्तियों नालों पर बने मकानों को जमीदोंज कर दिया गया. लेकिन शहर से अतिक्रमण साफ होनी की खुशी इतनी थी कि चुनाव में पूरी भाजपा और अन्य नेताओं के प्रखर विरोध के बावजूद महज दो सो वोटों के अंतर शिकश्त मिली सरदार जी उपलब्धियों में नगर परिषद के कर्मचारियों में कठोर अनुशासन का पालन किया जाता था।जिससे जनता किसी भी कार्य के लिए परेशान नहीं होती थी , बहीं शहर विकास में बारना कालोनी से थाने तक डबल रोड़ और बीच में डिवाइडर दोनों चोराहा पर हाईमास्क लाइट व सड़क के दोनों तरफ निकास नाली बनने से वार्ड क्रमांक 12 के रहवासियों को बारहमासी गंदगी से निजात मिली । वर्तमान स्थानीय प्रशासन इतना असहाय और लाचार नजर आ रहा कि मुख्यमंत्री शिवराज जी द्वारा शहर को अति आधुनिक शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होने वाले सीएम राइज स्कूल भी सिकुड़ गया जबकि विद्यालय की निजी भूमि ही 7.49 हेक्टेयर हैं लेकिन वर्तमान में विद्यालय के पास तीन सबा तीन हेक्टेयर भूमि बची हैं और उसी में सीएम राइज आड़ा तिरछे में बन रहा हैं। लेकिन उनके हटने के बाद नगर में जो भी अध्यक्ष आसीन रहे उन्होंने अपने वोट बैंक को मजबूत करने में शहर में अतिक्रमण की बहार ला दी आज शहर पूर्णतः अतिक्रमण की चपेट में होने से चिंतामन चौराहे पर बनने वाले सुलभ शौचालय के लिए नगर परिषद अतिक्रमण हटाने का नाम सुनते ही पसीने पसीने हो जाते हैं।

3 साल बढ़े हैं
सबसे आगे खड़े हैं
देख रहा है सारा देश-सबसे आगे मध्यप्रदेश

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले
वतन पर मिटने वालों का यही बाक़ी निशाँ होगा

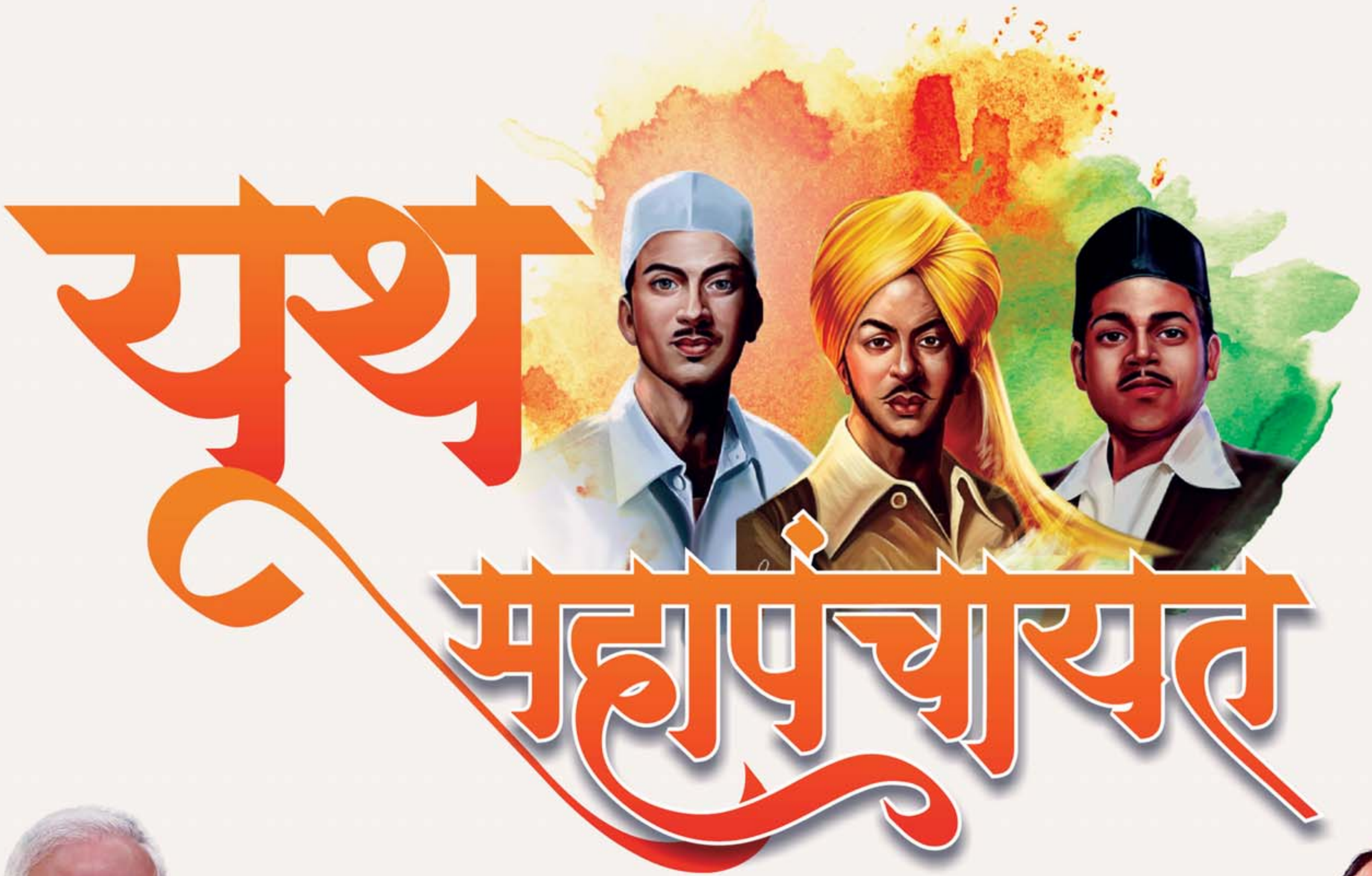

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

युवा नीति
लाँच

शिवराज सिंह चौहान

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
द्वारा
23 मार्च, 2023
दोपहर 12 बजे
मोतीलाल नेहरू स्टेडियम, भोपाल

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents DDMP @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11252/22